cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. डीएलपी 1144/2019-21

5 भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल व्यूअरशिप रिकॉर्ड | सम्पादकीय कार्य-संस्कृति, उत्पादकता और विकास की चुनौती | एआई कंटेंट पर लेबल जरूरी, नए नियम लागू 5

वर्ष 18 अंक 22 E-mail: dholpur@hotmail.com धौलपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन, मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए

बीजेपी बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए कहा- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड'।

प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- क्करूइज कॉम्प्रोमाइज्ड।

इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और लिखा-ढ्ढ समिट के चमकदार मंच के पीछे सच दबाया नहीं जा सकता। जब देशहित से ऊपर कॉरपोरेट हित दिखें और विदेश नीति में नरमी साफ नजर आए, तब विरोध कर्तव्य बन जाता है।

वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। क्ष्छ्क सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह प्रदर्शन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब तक चार से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है। एडिशन पुलिस कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी।

कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ी जिससे असम में घुसपैठ बढ़ी : अमित शाह

कछार जिले में जनसभा में बोले गृहमंत्री

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ दी थीं, जिसकी वजह से असम में घुसपैठ बढ़ी। भाजपा सरकार ने इस समस्या से सख्ती से निपटा है।

शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ। आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है।

शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से ?6,900 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता सीमावर्ती गांवों का विकास है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम उसी दिशा में उठाया गया कदम है। योजना के दूसरे चरण में ?6,900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 1,954 गांव इसमें शामिल हैं। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश से सटे 334 ब्लॉकों का समग्र विकास किया जाएगा।

शाह मानहानि केस-राहुल गांधी का आरोपों से इनकार, कहा- राजनीतिक साजिश में फंसाया

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को यूपी में सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह केस राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है। इसमें कोई ठोस आधार नहीं है।पेशी के दौरान मौजूद वकीलों के अनुसार, कोर्ट पहुंचने पर राहुल ने जज को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। सुनवाई पूरी होने पर धन्यवाद भी कहा। जज ने राहुल से पूछा कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा- हां। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे।

मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। कोर्ट से निकलने के बाद राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। राहुल ने मोची की पोती श्रद्धा को गोद में लिया। उसके पैर में चोट देखकर उन्होंने पूछा कि क्या हुआ।

परिवार ने बताया कि चोट ठीक नहीं हो रही है। इस पर राहुल ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से बच्ची के इलाज की बात कही। उन्होंने बच्ची को चॉकलेट भी दी। रामचेत मोची की तीन महीने पहले कैंसर से मौत हो गई थी। डेढ़ साल पहले राहुल गांधी ने उनकी दुकान पर बैठकर जूते सिले थे। बाद में उन्होंने रामचेत को सिलाई मशीन भी भेजी थी।

शुक्रवार सुबह राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से कार से कोर्ट पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने माला पहनाने की कोशिश की, लेकिन राहुल ने मना कर दिया। कोर्ट से बाहर निकलने पर उनके समर्थकों की भारी भीड़ पहुंच गई थी। इसके चलते सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें दूसरे गेट से बाहर निकाला।

मैंने भारत- पाक को 200 प्रतिशत टैरिफ की चेतावनी दी, तब माने : ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में कही।

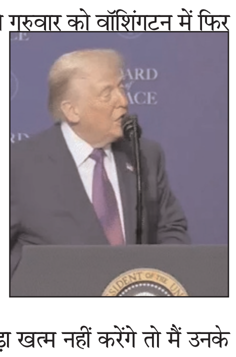

ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई ट्रेड डील नहीं करूंगा।

ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि ये फाइटर जेट्स किस देश के थे।

ट्रम्प 75 से ज्यादा बार भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने का दावा कर चुके हैं। वहीं, भारत लगातार यह कहता रहा है कि भारत-पाकिस्तान के मुद्दों में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

मोदी गवर्नमेंट मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया' : जयराम रमेश

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में आयोजित एआई इम्पेक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी की है।

उन्होंने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में लिखा कहा- मोदी गर्वेनेंस का मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया, यानी भारत को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचा रहे है।

उन्होंने लिखा कि अमेरिका-पाकिस्तान बीच रोमांस बिना रुके जारी है। जब ये हो रहा था तब खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले संक्षिप्त शब्दों में दुनिया को ज्ञान दे रहे थे और ष्टश्वह्रह्य को अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर कर रहे थे।

रमेश का कमेंट पीएम मोदी का समिट में आए ग्लोबल टेक लीडर्स के साथ हाथ उठाकर फोटो खिंचाने पर आया है। इधर 19 फरवरी को वॉशिंगटन डीसी में बोर्ड ऑफ पीस इवेंट में पाकिस्तान के पीएम और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की मीटिंग हुई। सम्मिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दुनिया के दिग्गज नेताओं और टेक कंपनियों के प्रमुख ग्रुप फोटो के लिए मंच पर आए। मंच पर पीएम मोदी के साथ ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, एआई एक्सपर्ट्स और अन्य वैश्विक टेक लीडर्स मौजूद थे।

बड़े इवेंट्स में गड़बड़ियां हो सकती हैं : शशि थरूर

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद चर्चा में है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर पार्टी सांसद शशि थरूर की टिप्पणी सामने आई है। उन्होंने कहा- समिट में पहले कुछ दिन बहुत अच्छे रहे, कुछ गड़बड़ियां हुई हैं, लेकिन बड़े इवेंट्स में ऐसी समस्याएं हो सकती हैं।थरूर ने समिट की तारीफ करते हुए कहा- जो बात प्रभावशाली रही वह राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और दुनिया के नेताओं की मौजूदगी थी। वे सभी एआई डेवलपमेंट में नई इंटीग्रेटेड दुनिया देखने की इच्छा के एक मजबूत संदेश के साथ आए थे।

दरअसल, गुरुवार को दिल्ली में थरूर की केरल के महान समाज सुधारक संत नारायण गुरु पर लिखी अपनी किताब की लॉन्चिंग हुई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किताब 'हिंदू धर्म को पुनर्परिभाषित करने वाले संतः नारायण गुरु का जीवन, पाठ और विरासत' का विमोचन किया।

असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, : प्रियंका गांधी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गौरव गोगोई और उनके परिवार को 'पाकिस्तान लिंक' के आरोपों में घसीटना गलत राजनीति है।

प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए।

प्रियंका बोली- गौरव जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है। असम की जनता जानती है कि दूसरी तरफ के लोग उनसे घबराए हुए हैं। वह सही रास्ते पर चल रहे हैं। यह उनके लिए सम्मान की बात है।

प्रियंका गांधी का आज असम दौरे का दूसरा दिन है। सुबह वह गुवाहाटी के पास सोनापुर पहुंचीं। गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

हिमंता के ष्टरू नहीं बनाने पर भी तंज

प्रियंका गांधी ने हिमंता के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के लिए कई कारक तय करते हैं। अगर वे दस साल बाद भी मुख्यमंत्री नहीं बनने देने कि बात पर रो रहे हैं, तो मुझे और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

बलूच लड़ाकों की कैद में रोते दिखे पाकिस्तानी सैनिक

आर.एन.एस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें पाकिस्तानी सैनिक सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में 7 पाकिस्तानी सैनिकों को दिखाया गया है।

वीडियो में एक सैनिक रोते हुए कह रहा है कि वह पाकिस्तान के लिए लड़ता रहा, लेकिन आज सेना उसे अपना नहीं मान रही। सैनिक कह रहा है- 'मेरे पास पाकिस्तानी सेना का आईडी कार्ड है, फिर क्यों कहा जा रहा है कि मैं पाकिस्तानी सैनिक नहीं हूं।'

यह वीडियो पाकिस्तान की सेना के उस बयान को सीधी चुनौती देता है, जिसमें कहा गया था कि उसके कोई भी सैनिक लापता नहीं हैं और न ही किसी उग्रवादी संगठन की हिरासत में हैं।

बीएलए ने 14 फरवरी को इन सैनिकों को पकड़ा था। इनकी रिहाई के लिए बीएलए ने बलूच लड़ाकों की रिहाई की मांग की है। इसके लिए पाकिस्तान सरकार को 22 फरवरी तक का वक्त दिया गया है।

बंगाल सरकार और ईसी में भरोसे की कमी : सुप्रीम कोर्ट

आर.एन.एस

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए न्यायिक अधिकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने कहा कि सरकार और आयोग के बीच विश्वास की कमी के कारण स्ढ्ढक्र ड्राफ्ट रोल से जुड़े दावे और आपत्तियों का निपटारा और निगरानी सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर पूर्व जजों की सेवाएं भी ली सकती हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के आदेश अदालत के आदेश माने जाएंगे। कलेक्टर और एसपी को इन आदेशों का पालन कराना होगा।

साथ ही चुनाव आयोग को 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की परमिशन दी गई है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर बाद में सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की भी छूट दी गई है।

एससी बोला- सरकार माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात करे

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त ग्रेड-ए अधिकारियों को स्ढ्ढक्र प्रक्रिया के लिए उपलब्ध नहीं कराने पर गंभीर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो-ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी तैनात रहेंगे।

'बोर्ड ऑफ पीस' मीटिंग में भारत शामिल, गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

आर.एन.एस

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने गुरुवार को ऑब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया।भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं। भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था।

'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपए (7 अरब डॉलर) देंगे। जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) देगा।

वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वॉशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिकारी शामिल हुए।इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजराइल, जॉर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की,ढ्ढश्व, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ (श्व) सहित बाकी देश ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए।

ट्रम्प बोले- ये रकम युद्ध पर खर्च के मुकाबले बहुत छोटी

ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थायी शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है।ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डॉलर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे

देश में शिवाजी जयंती पर हंगामा, कर्नाटक में जुलूस पर पथराव

नइ दिल्ली। देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबर भी आई।

कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के लागू की गई।हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी। यहां पहले एक यूट्यूबर से मस्जिद की रिकॉर्डिंग को लेकर विवाद हुआ।

इसी दौरान मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और लोगों को मौके से हटाया।

cmyk

दुनिया का सबसे पतला 8000 एमएएच स्मार्टफोन पोवा कर्व 2 बिक्री के लिए उपलब्ध

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। टेक ब्रांड टेक्नो के पोवा सीरीज़ का नया स्मार्टफोन 'पोवा कर्व 2' शुक्रवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गया है। कंपनी के अनुसार यह 8000 एमएएच बैटरी के साथ आने वाला दुनिया का सबसे पतला स्मार्टफोन है। डिवाइस को भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है और इसे ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से खरीदा जा सकता है।

कंपनी ने बताया कि पोवा कर्व 2 को 7.42 मिमी की स्लिम प्रोफाइल में तैयार किया गया है और इसका वजन 195 ग्राम है। इसमें 8000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जिसे सेगमेंट-लीडिंग क्षमता बताया गया है। फोन में 144 हर्ट्ज कर्व्ड, स्ह्मस्ष्ठ डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें आई कम्फर्ट तकनीक शामिल है। कंपनी का दावा है कि यह फीचर लंबे समय तक उपयोग के दौरान आंखों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने में सहायक है। डिवाइस में एला एआई 2.0 सपोर्ट दिया गया है, जिसे भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए विकसित किया गया है। इसमें हिंदी, बंगाली, तमिल, गुजराती और मराठी सहित कई भारतीय भाषाओं का समर्थन उपलब्ध है।

दादू दयाल मेले पर नरैना स्टेशन पर 10 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। नरैना में आयोजित दादू दयाल मेले के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने 22 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक नरैना रेलवे स्टेशन पर 10 रेलसेवाओं का दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव निर्धारित किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के अनुसार यह व्यवस्था मेले के दौरान संभावित यात्री भार को ध्यान में रखते हुए की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गाड़ी संख्या 19031 साबरमती-योगनगरी ऋषिकेश प्रतिदिन 21.36 बजे आगमन और 21.38 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 19032 योगनगरी ऋषिकेश-साबरमती 04.32 बजे आगमन और 04.34 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 19411 गांधीनगर कैपिटल-दौलतपुर चौक 19.01 बजे आगमन और 19.03 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि 19412 दौलतपुर चौक-गांधीनगर कैपिटल 05.27 बजे आगमन और 05.29 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 19613 अजमेर-अमृतसर 23 व 25 फरवरी को 18.48 बजे आगमन और 18.50 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 19612 अमृतसर-अजमेर 25 व 27 फरवरी को 07.32 बजे आगमन और 07.34 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 19609 उदयपुर सिटी-योगनगरी ऋषिकेश 23 व 26 फरवरी को 20.32 बजे आगमन और 20.34 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि 19610 योगनगरी ऋषिकेश-उदयपुर सिटी 23 व 25 फरवरी को 07.22 बजे आगमन और 07.24 बजे प्रस्थान करेगी।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वैश्विक टेक नेताओं ने भारत की एआई क्षमता को सराहा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रमुखों ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में उभरती अग्रणी शक्ति बताया। विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने भारत की प्रतिभा, बाजार आकार, डिजिटल आधारभूत संरचना और नीति समर्थन को एआई विकास के लिए अनुकूल बताया।

एलेक्जेंडर वांग, चीफ एआई ऑफिसर, Meta ने कहा कि भारत मेटा के लिए सबसे महत्वपूर्ण देशों में है और यहां पर्सनल सुपरइंटेलिजेंस के विस्तार की बड़ी संभावनाएं हैं।

सैम ऑल्टमैन, सीईओ, ओपन एआई ने कहा कि भारत में एआई नेतृत्व के सभी गुण मौजूद हैं। उनके अनुसार भारत एआई को अपनाकर कार्यान्वयन के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल रहा है और यह एआई के बड़े बाजारों में शामिल होगा। जेमी वैलेस, वाइस प्रेसिडेंट, एशिया पैसिफिक एवं जापान, अमेजॉन बेव सीरीज ने कहा कि क्लाउड और एआई भारत के विकास की आधारशिला बन सकते हैं और इन्हें एक ऑपरेटिंग सिस्टम एवं इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में देखा जा रहा है।रॉय जैकब्स, ग्लोबल सीईओ, रॉयल फिलिप्स ने कहा कि भारत सॉफ्टवेयर क्षेत्र में पहले से अग्रणी रहा है और अब एआई विकास में नेतृत्व की स्थिति में है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में विकसित समाधानों को वैश्विक मॉडल बनने योग्य बताया।

क्रिस्टियानो अमोन, सीईओ, ने कहा कि भारत में नवाचार के साथ वैश्विक स्तर पर तकनीक उपलब्ध कराने की क्षमता है।

शांतनु नारायण, चेयरमैन एवं सीईओ, एडोब ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत एआई उपयोगकर्ताओं की संख्या के मामले में अग्रणी हो सकता है और डेटा, निजता तथा सुरक्षा के मानकों में नेतृत्व कर सकता है।

ब्रैड स्मिथ, प्रेसिडेंट, Microsoft ने कहा कि वैश्विक सहयोग के माध्यम से एआई को विशेषकर ग्लोबल साउथ तक पहुंचाने पर चर्चा की जा रही है।

सुंदर पिचाई, सीईओ, त्रश्शद्द्दद्ग ने भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की प्रतिबद्धता दोहराई। डेमिस हसाबिस, सीईओ एवं सह-संस्थापक, Google DeepMind ने भारत को एआई के क्षेत्र में उभरता पावरहाउस बताया।

डारियो अमोदेई, सीईओ, Anthropic ने भारत में उच्च विकास दर की संभावना जताई। जूली स्वीट, चेयरमैन एवं सीईओ, Accenture ने शिक्षा प्रणाली में एआई को प्रारंभिक स्तर से शामिल करने के प्रयासों का उल्लेख किया। आर्थर मेंश, सह-संस्थापक एवं सीईओ, Mistral AI ने भारत की प्रतिभा और बाजार को एआई विकास के लिए अनुकूल बताया।

विनोद जाखड़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

गंगापुर। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर विनोद जाखड़ की नियुक्ति के बाद राजस्थान में कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया। एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेश महासचिव नवरतन बैरवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर धर्मेंद्र गहलोत , पार्षद मोनू तिवारी, बादल माली और मनोज व्यास, नितेश सुहलका, अरविंद बैरवा, सचिन, अविनाश, राहुल, आदित्य सैनी, अतीक सैक, कमलेश प्रजापत, निखिल माली सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मणिपाल यूनिवर्सिटी में अंतर-विश्वविद्यालय पुरुष वॉलीबॉल चैम्पियनशिप का शुभारंभ

देशभर के 16 विश्वविद्यालयों की टक्कर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर मेंअखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2025-26 का भव्य शुभारंभ किया गया। 20 से 25 फरवरी तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप में देश के चारों जोनों का प्रतिनिधित्व करते हुए 16शीर्ष विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं।उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा, प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. करुणाकर ए. कोटेगर, कुलसचिव डॉ. अमित सोनी तथा डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मधुरा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा समारोह मेंएसोसिएसन आफ ईंडियन यूनिवर्सिटिज (एआईयू) के पर्यवेक्षक डॉ. आर. मोहन कृष्णन तथामणिपाल एकाडेमी आफ हायर एजुकेशन के कुलसचिव (मूल्यांकन) डॉ. विनोद वी. थॉमस की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति ने इस चैम्पियनशिप के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागी टीमों और अधिकारियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जो शिक्षा के साथ-साथ खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के संकल्प को दर्शाता है।कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क की सच्ची भावना बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएँ युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। उत्साहपूर्ण तालियों के बीच उन्होंने औपचारिक रूप से टूर्नामेंट का उद्घाटन घोषित किया।

एआईयू के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 16 विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं, जिनमेंकुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी,एसआरएम इंस्टिच्युट आफ साइंस एंड टेक्नोलजी, यूनिवर्सिटी आफ मैड्रास, कालिकट युनिवर्सिटी, भर्थियार यूनिवर्सिटी, कीट यूनिवर्सिटी, महात्मागांधी काशी विद्यापीठ, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, बाबा साहेब भीमराओ आम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी, लोक जागृति यूनिवर्सिटी, पारूल युनिवर्सिटी, श्री खुशाल दास यूनिवर्सिटीतथा मेज़बानमणिपाल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी के साथ यह चैम्पियनशिप आगामी छह दिनों तक रोमांचक और उच्च स्तरीय वॉलीबॉल मुकाबलों का वादा करती है। यह प्रतियोगिता न केवल खेल उत्कृष्टता को उजागर करती है, बल्कि भारत के विविध क्षेत्रों से आए छात्रों के बीच एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सौहार्द को भी बढ़ावा देती है।जैसे ही मुकाबले प्रारंभ हुए, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुरका वातावरण उत्साह, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रीय खेल भावना के संगम से गूंज उठा, जो प्रतिस्पर्धात्मक वॉलीबॉल के एक यादगार सप्ताह की नींव रखता है।

...

मृत कर्मचारी के वारिसों से 10 लाख की वसूली का आदेश निरस्त

राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख की प्रभावी पैरवी ने दिलाई परिजनों को राहत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

उदयपुरवाटी। राजस्थान सहकारी विभाग के रजिस्ट्रार ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए दादिया सहकारी समिति के दिवंगत व्यवस्थापक के परिजनों से ?10,03,945/- की वसूली के आदेश को सिरे से खारिज कर दिया है। यह निर्णय न केवल पीड़ित परिवार के लिए बड़ी राहत है, बल्कि सहकारी कानून के सिद्धांतों की जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। संवाददाता कैलाश बबेरवाल बेरवाल को वार्ता के दौरान एडवोकेट प्रमोद सैनी ने बताया कि मामला दादिया ग्राम सेवा सहकारी समिति से जुड़ा है। समिति के पूर्व व्यवस्थापक स्वर्गीय श्री बजरंग लाल शर्मा के विरुद्ध वर्ष 2014-15 व 2015-16 की ऑडिट रिपोर्ट में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए विभाग ने ?10 लाख से अधिक की वसूली का आदेश जारी किया था।

हैरानी की बात यह थी कि स्व. शर्मा वर्ष 2006 में ही अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो चुके थे। उनका निधन 11 जून 2016 को हो चुका था। लेकिन विभाग ने उनकी मृत्यु के बाद उनके उत्तराधिकारियों (वारिसों) को इस भारी-भरकम राशि के भुगतान के लिए उत्तरदायी ठहरा दिया था।

अधिवक्ता की दलील थी कि 'मृतक के दायित्व वारिसों पर नहीं थोपे जा सकते '

अपीलार्थी की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख ने मजबूती से पक्ष रखा। उन्होंने विधिक सिद्धांतों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि किसी मृत व्यक्ति द्वारा किए गए कथित कृत्यों के लिए उसके वारिसों को तब तक जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता जब तक कोई प्रत्यक्ष प्रमाण न हो। व्यक्तिगत उत्तरदायित्व कर्मचारी के साथ ही समाप्त हो जाता है। इसे उत्तराधिकारियों पर थोपना पूरी तरह विधि विरुद्ध व न्याय के खिलाफ है। वर्षों पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके व्यक्ति की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर परिजनों को प्रताड़ित करना अनुचित है। सहकारी विभाग के सक्षम प्राधिकारी ने अभिलेखों, ऑडिट रिपोर्ट और अधिवक्ता प्रमोद सैनी पौंख की दलीलों को न्यायसंगत मानते हुए पूर्व में पारित वसूली आदेश को निरस्त कर दिया। इस निर्णय ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना किसी ठोस विधिक आधार के मृतक के परिजनों से वित्तीय वसूली नहीं की जा सकती। 'यह निर्णय सहकारी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों और उनके परिवारों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में साबित होगा। '

निर्माण नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन कल

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में निर्माण नगर क्षेत्र के सकल हिंदू समाज की ओर से पार्श्वनाथ बस्ती 22 फरवरी को विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम देशभर में चल रही विराट हिन्दू सम्मेलन की श्रृंखला में आयोजितसम्मेलन के तहत कलश यात्रा दोपहर 3 बजे शिव हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर होते हुए विष्णु मैरिज गार्डन पहुंचेगी। यात्रा में क्षेत्र की महिलाएं, युवा एवं श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश देंगे।कार्यक्रम में हिन्दू संस्कृति से जुड़ी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रेरक उद्बोधन एवं सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके साथ ही निर्माण नगर क्षेत्र में हिन्दू संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान देने वाले परिवारों, पर्यावरण, शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन

सूर्य किरण और सारंग ने हैरतअंगेज करतबों से जयपुरवासियों को किया रोमांचित

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की कार्यक्रम में शिरकत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ। भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जल महल की पाल से खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने पांच रंग-बिरंगे हेलिकॉप्टरों के साथ सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हेलिकॉप्टरों की सटीक दूरी, संतुलन और तालमेल भारतीय वायु सेना के अनुशासन एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का जीवंत उदाहरण रहा, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की।

इसके पश्चात जब लाल-सफेद रंग के आकर्षक जेट विमानों ने उड़ान भरी तो वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लूप, बैरल रोल, उलटी उड़ान, फॉर्मेशन फ्लाइंग तथा लोकप्रिय 'डीएनए' संरचना जैसे जटिल और रोमांचक करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकाश में लहराते तिरंगे रंगों ने दर्शकों के मन में गर्व और देशभक्ति का भाव भर दिया।सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के तीन प्रतिभाशाली पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही निवासी हैं। अपने गृह नगर में साहस, हुनर और कौशल का प्रदर्शन करना उनके लिए विशेष गौरव का क्षण रहा। दर्शकों ने जांबाज पायलटों के सम्मान में खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया।यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणास्रोत बना। कार्यक्रम ने उनमें देशभक्ति, साहस और सैन्य सेवा के प्रति उत्साह का संचार किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। रविवार, 22 फरवरी को जल महल पर एरोबैटिक डिस्प्ले का मुख्य एवं विस्तृत आयोजन किया जाएगा।

भव्य कलश यात्रा व दशहरा मैदान में होगा विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता के संदेश के साथ रविवार 22 फरवरी को दशहरा मैदान, रजनी विहार में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। रामावतार पालीवाल ने बताया कि 21 फरवरी विशाल वाहन रैली निकाली जावेगी। 22 फरवरी को कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9.25 बजे भव्य कलश यात्रा से होगी, जो क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से होकर निकलेगी। कलश यात्रा में 1100 मातृशक्ति और बडी संख्या में युवा एवं श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे।सम्मेलन में संत-महात्माओं के आशीर्वचन, प्रबुद्ध वक्ताओं के संबोधन, आकर्षक झांकियाँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण रहेंगी। आयोजन समिति के प्रमुख कार्यकर्ताओं गोपाल शर्मा, राजेंद्र उदय, रामावतार पालीवाल, शंकर बागड़ा, दिनेश शर्मा, राम कविया एवं अनिल गोयल – ने समाज के सभी वर्गों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। आयोजन स्थल पर सुरक्षा, पेयजल, अल्पाहार, प्रसादी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं।

मदन कुमावत का असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कॉलेज शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में पीपली की ढाणी , अकोदा ,सांभर निवासी मदन कुमावत ने सफलता हासिल की है। कुमावत का चयन कॉमर्स संकाय के अकाउंटेंसी और बिजनेस स्टैटिसटिक्स (एबीएसटी) विषय में प्रदर्शन करते हुए राजस्थान स्तर पर 32 वीं रैंक हासिल कर असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। मदन कुमावत वर्ष 2018 से आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय में सांख्यिकी निरीक्षक पद पर कार्यरत हैं द्य उनकी सफलता को उनकी मेधावी प्रतिभा और निरंतर परिश्रम का परिणाम माना जा रहा है। असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन होने पर गांव में उनका स्वागत कर मिठाई खिलाई गई।

आठ साल के नन्हे इयान ने रखा रोजा, मांगी अमन चैन की दुआ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

गंगापुर। शिक्षा से उड़ान फाउंडेशन गंगापुर के संयोजक इंसाफ खान के 8 वर्ष के बेटे इयान इंसाफ खान ने पहला रोजा रखा। इस दौरान वह लगभग 15 घंटे रोजे में रहा। उस दौरान सारी नमाज अदा की एवं सभी के लिए दुआ की, रोजे की भूख और प्यास सबको सब्र करने की सीख देती है,इस दौरान जब इयान खान से पूछा गया कि आपने तब से क्या मांगा तो उन्होंने बताया कि मैं सबसे पहले मेरे देश हिंदुस्तान में अमनो शुकून की दुआ मांगता हु,सभी प्यार से रहे,सबकी परेशानियां दूर हो, और मजहब ए इस्लाम सभी धर्म की इज्जत करना सिखाता है। मैं आगे चलकर बड़ा होकर भी सबकी मदद करना चाहता हूं।

ग्राम पंचायत लाखनपुर के सभी सात गांवों के फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई

सवाईमाधोपुर। सहायक कृषि अधिकारी कोलाडा कमलेश मीना, वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक रामधन मीना,भारतीय बीमा कंपनी के तहसील समन्वयक चेतन कुमार पारीक,मित्रपुरा तहसील समन्वयक सूरज महावर ने ग्राम पंचायत कार्यालय पर ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी गांव लाखनपुर ,खोहरी,गोल ,गोठड़ा,खेड़ा,रतनपुरा,डूंगरी की 735 फसल फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई।जिसमें क्षेत्र के किसान भी उपस्थित रहे। बोली तहसील समन्वयक चेतन कुमार पारीक ने बताया कि फसल की जिस किसान की फसल कट चुकी है और उसकी फसल खराब हो गई है वो किसान फसल खराबे के 72 घंटे के अंदर फसल खराबे की सूचना ऑनलाइन देने पर उसका सर्वे करवाकर फसल का बीमा किसान को दिया जाता है । खड़ी फसल के नुकसान का बीमा नहीं दिया जाता है अगर फसल कटने के 14 दिन के अंदर अंदर कोई नुकसान होता है तो वह निर्धारित प्रकिया करने पर बीमा का हकदार होता है । उपस्थित सभी किसानों को फसल बीमा की पॉलिसी वितरित कर दी गई है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों को मिला इलाज

सवाई माधोपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले में चयनित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य कैम्प लगाये जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि इन शिविरो में जांच पश्चात् उपचार हेतु आवश्यकता होने पर जिला स्तर/मेडिकल कॉलेज हेतु रेफर किया जायेगा। इन शिविरों में बच्चों की जाँच व उपचार के लिए चर्म रोग, आँख, नाक, गला रोग, नेत्र रोग, बाल रोग, नेत्र सहायक मौजूद रहते हैं जहां किशोर किशोरियों की सम्बन्धित स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार उनकी जांच की जा रही है। और आवश्यकता अनुसार उन्हे उच्च संस्थानों पर रेफर किया जा रहा है। शुक्रवार को केम्प का आयोजन मित्रपुरा सीएचसी में किया गया।केम्प में 16 बच्चों का एनिमिया, 46 बच्चो का चर्म रोग, नाक कान गला के 14, 2 का दन्त् रोग,25 का आंख का व 3 का अन्य बीमारियों का इलाज किया गया। जिले की विभिन्न सी एच सी पर प्लान के अनुसार केम्प लगाए जा रहे हैं। 21 को बोली, 23 को तलावड़ा, 24 को वज़ीरपुर, 25 को पिलोदा, 26 को बामनवास, 27 को अमरगढ़ चौकी, 28 को खंडीप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच शिविर लगाये जाएंगे।

पुर में माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन : तुलछा माता सहित 18 जोड़े बनें जीवनसाथी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। माली समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन मे 18 जोड़े ने थामा विवाह सम्मेलन में हाथ। चारभुजा जी तुलछा माता सहित वर वधु की घोड़ों व बग्घी पर निकली बन्दोली। शोभायात्रा में बराती व सम्मेलन आयोजक सजे धजे बैण्ड बाजा पर नाचते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। उपनगर पुर में घाटी के बालाजी के गुरूवार को माली समाज का चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से आयोजित हुआ। जिसमें माली समाज के 18 जोड़े रीति रिवाज के साथ परिणय-सूत्र में बंधे। शोभायात्रा में बग्गी, घोड़े का लवाजमा साथ चल रहा था। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर चारभुजा नाथ व वर वधुओ का स्वागत किया। लोग गीतों पर नाचते हुए चल रहे थे। विवाह स्थल पर पहुंचने पर दूल्हों ने तोरण की रस्म निभाई। विवाह पांडाल में बने मंच पर दूल्हों-दुल्हनों ने एक-दूसरों को वरमाला पहनाई। पंडित अशोक कुमार व्यास के मुखारबिंद से मंत्रोंचार शुभ मुहूर्त में अग्नि के समक्ष सात वचनों के साथ फैरे लिए। समय-समय पर ऐसे आयोजन समाज की एकजुटता के लिए जरूरी हैं। राजनैतिक प्रतिस्पर्धा के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा के अभाव में समाज मे सामाजिक और आर्थिक विकास की गति धीमी रहती है। आज माली समाज शांति प्रिय व अन्य समाज के श्रद्धा योग्य हो गया है। इस अवसर पर सामूहिक विवाह समिति के सचिव शंकरलाल गोयल, संरक्षक रामस्वरूप माली,भंवर सतरावला, कैलाश नुईवाल, प्रभुलाल नुईवाल, लालचंद माली, नानूराम गोयल, जगदीश ढिबरिया, बंशीलाल माली, कैलाश माली, भवानीराम माली, नारायण कनवासिया, कन्हैयालाल बुलिवाल, रमेश माली, भैरूलाल माली, रामस्वरूप् माली, मूलचंद छुलिवाल, मदन गहलोत, गोपाल माली, जगदीश गोयल, गणपत महावर, बद्रीलाल माली सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

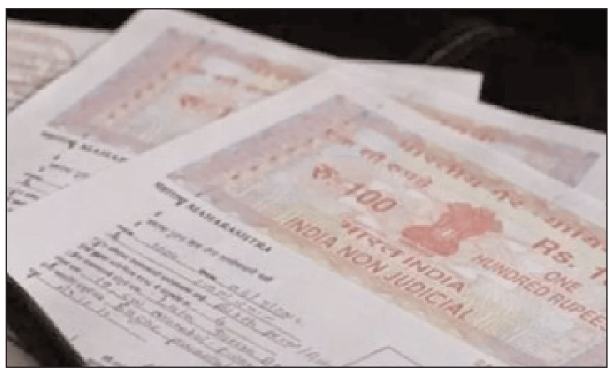

स्टाम्प पेपर बिक्री से सरकार की कमाई बढ़ी, 5 साल में डबल हुई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। स्टाम्प पेपर की बिक्री से राजस्थान में सरकार की अच्छी कमाई हो रही है। पिछले 5 साल में स्टाम्प पेपर की बिक्री और रजिस्ट्री (रजिस्ट्रेशन) की फीस से सरकार को मिलने वाली इनकम दोगुनी से ज्यादा हो गई है। इसके पीछे कारण डीएलसी दरों में बढ़ोतरी और स्टांप पेपर पर लगाई 30 फीसदी ड्यूटी है।

मुद्रांक एवं पंजीयन विभाग की एक रिपोर्ट देखें तो राज्य सरकार को स्टाम्प पेपर की बिक्री और अचल सम्पत्तियों के खरीद-बेचान डॉक्युमेंट के रजिस्ट्रेशन से अब तक (1 अप्रैल 2025 से 18 फरवरी 2026 तक) करीब 10,663 करोड़ रुपए से ज्यादा का रेवेन्यू मिल चुका है।

ये रेवेन्यू सरकार को गत वित्तवर्ष 2024-25 (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) के कुल रेवेन्यू से 121 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसे देखते हुए सरकार ने अब रेवेन्यू के अपने इस टारगेट को भी बढ़ाकर 15 हजार करोड़ रुपए तक कर दिया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक जयपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में भजनलाल सरकार ने सत्ता में आने के बाद डीएलसी दरों में बढ़ोतरी की है। ये बढ़ोतरी 25 फीसदी से 35 फीसदी तक की है। कोविड शुरू होन के बाद से दिसंबर 2023 डीएलसी दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी।इसके अलावा दूसरा बड़ा कारण स्टाम्प ड्यूटी पर 30 फीसदी का सरचार्ज लगाना और बाजार से लगभग 10 रुपए के स्टाम्प की बिक्री को अघोषित तौर पर बंद करना है। अब किसी भी छोटे से छोटे शपथ पत्र के लिए न्यूनतम तापमान 50 रुपए कीमत का स्टांप देना पड़ता है, जो बाजार में 30 फीसदी सरचार्ज के बाद 65 रुपए का मिलता है।

कोविड आने और उसके बाद कुछ समय तक अचल सम्पत्तियों (आवासीय, वाणिज्यिक और कृषि उपयोग) की खरीद में गिरावट हुई थी। लेकिन 2022 के बाद से वापस लोगों को रूझान अचल सम्पत्तियों की खरीद-बेचान में बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा सरकार की एजेंसियों (विकास प्राधिकरण, यूआईटी, हाउसिंग बोर्ड) की कई योजनाओं भी बाजार में लांच होने से लोगों का रूझान इसमें बढ़ा है।

वर्तमान समय में बौद्धिक क्षमता व गुणवत्ता युक्त शिक्षा की अहम भूमिका : राज्यपाल बागडे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि वर्तमान समय में बौद्धिक क्षमता व गुणवत्ता युक्त शिक्षा की अहम भूमिका है। यह मानवीय व्यवहार व आचरण को बेहतर बनाने में अमूल्य साबित होगी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के केंद्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के मानक स्थापित करें। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को भीलवाड़ा स्थित संगम विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि ज्ञान, कौशल एवं चरित्रकृये तीनों तत्व किसी भी राष्ट्र की प्रगति के आधार स्तंभ हैं। युवा शक्ति को इन मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन मूल्यों पर चलने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में देश ने आत्मनिर्भर बनने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, वर्तमान में बड़े सैन्य उपकरण, भारी मशीनरी इत्यादि का निर्माण देश में ही हो रहा है।राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह शैक्षणिक उपलब्धि का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो विद्यार्थियों को जीवन के नए अध्याय में प्रवेश का अवसर प्रदान करता है।

समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के 30 स्नातक, स्नातकोत्तर व डिप्लोमा के विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 31 शोधार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई।

सीनियर आईएएस अफसर अब कॉल सेंटर पर सुनेंगे शिकायतें

35 अधिकारियों की 181 हेल्पलाइन पर ड्यूटी लगाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। आम लोगों की लगातार बढ़ती समस्याओं और उनका समय पर समाधान नहीं होने से नाराज भजनलाल सरकार ने अहम निर्णय किया है। प्रदेश के 35 सीनियर ढ्ढस् अफसरों की राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर ड्यूटी लगाई है।

ये अधिकारी सेक्रेटरी से लेकर एसीएस रैंक के हैं।

सभी अफसर अलग-अलग दिन सचिवालय स्थित 181 कॉल सेंटर पर बैठेंगे और अफसर रोज कम से कम 10 कॉल रिसीव करके आमजन की समस्याएं सुनेंगे। यथासंभव उनका मौके पर समाधान करवाएंगे। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवासन ने शुक्रवार को इसका आदेश जारी किया।

पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री खुद 181 कॉल सेंटर का लगातार दौरा कर रहे हैं। खुद आमजन के कॉल रिसीव कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं।

इसके अलावा वे सीएमआर पर भी लगातार जनसुनवाई करके आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करवाने पर जोर दे रहे हैं।

4 मार्च से 28 अप्रैल तक चलेगा अभियान आदेश के मुताबिक ये अभियान 4 मार्च से शुरू होगा और 28 अप्रैल तक चलेगा। इसमें अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार सिंह, अपर्णा अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, संदीप वर्मा, कुलदीप रांका समेत तमाम सीनियर अधिकारी शामिल हैं।

10-10 पेंडेंसी निपटाने के निर्देश मुख्य सचिव ने अपने आदेशों में निर्देश दिए हैं कि हर अधिकारी संपर्क पोर्टल पर आने वाली समस्याओं में से 10-10 ऐसी समस्याएं जो आसानी से दूर हो सकती है, लेकिन लंबे समय से पेंडिंग चल रही है।

जयपुर में हिट एंड रन में युवक की मौत, दो-घायल

जयपुर। शुक्रवार शाम हिट एंड रन में एक युवक की मौत हो गई। हादसे में उसके दो साथी गंभीर रुप से घायल हो गए। बाइक सवार तीनों दोस्तों को ओवर स्पीड कार टक्कर मारकर फरार हो गई। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवाया है। दोनों घायलों का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। एसएचओ (पत्रकार कॉलोनी) मदन लाल कड़वासरा ने बताया- हादसा इस्कान मंदिर खरबास सर्किल के पास हुआ। शाम करीब 4:30 बजे एक बाइक पर तीन युवक बैठकर मानसरोवर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ओवर स्पीड कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से कार लेकर फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक उछलकर नीचे रोड पर आ गिरे। राहगीरों ने लहूलुहान हालत में पड़े तीनों युवकों को संभालने के साथ ही पुलिस को सूचना दी। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को गंभीर हालत में नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। डॉक्टर्स ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। घायल दो साथियों को इलाज के लिए एडमिट कर लिया। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे फुटेजों को खंगालने के साथ ही कार की तलाश कर रही है।

राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बेंच को बम से उड़ाने की धमकी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बेंच को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल में लिखा ष्ट्वढ्ढ का दौरा कैंसिल कराओ। दोपहर 12 बजे तक हाई कोर्ट को खाली करवा लो। आरडीएक्स बम प्लांट किए हैं।

हाईकोर्ट में सघन तलाशी अभियान के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद करीब आधे घंटे की देरी से सुबह 11 बजे सुनवाई शुरू हो गई। हाई कोर्ट जयपुर पीठ को 31 अक्टूबर के बाद यह 10वीं बार बम की धमकी मिली है।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी

इससे पहले गुरुवार को भी राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पूरे परिसर की तलाशी ली गई थी। लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

सीजेआई सेमिनार में आ रहे जयपुर

बता दें कि शुक्रवार को सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत जयपुर आ रहे हैं। वे यहां साइबर सिक्योरिटी सेमिनार का उद्घाटन करेंगे।

साढ़े तीन महीने में 9 बार मिली बम की धमकी

राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बैंच को पिछले चार महीने में 10वीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 31 अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट प्रशासन के पास पहली बार धमकी भरा मेल आया था। लेकिन उसके बाद से लगातार कुछ समय के अंतराल में इस तरह के मेल आ रहे हैं। इसके बाद हाईकोर्ट को 5 दिसंबर, 8, 9, 10 और 11 दिसंबर को धमकी मिली। वहीं, साल 2026 में 6, 17 और 19 फरवरी को हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

श्रीगंगानगर में किसानों ने दो हाईवे किए जाम, साढ़े चार घंटे तक बंद रहा रास्ता

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

श्रीगंगानगर। किसानों ने सड़क के बीच ट्रैक्टर खड़े कर दो हाईवे जाम कर दिया था। इसके बाद किसान हृ॥-911 श्रीगंगानगर-रायसिंहनगर के फूसेवाला टोल प्लाजा और सीसी हेड पर पदमपुर स्टेट हाईवे पर किसान धरने पर बैठ गए थे। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी का पुतला फूंका था।

किसानों का कहना है कि पंजाब में फिरोजपुर फीडर पर रिकंस्ट्रक्शन के कारण नहरबंदी के 32 दिन बाद भी उन्हें पानी नहीं मिल रहा। 2600 क्यूसेक की जगह 1500 क्यूसेक पानी छोड़ने का वादा किया गया था, लेकिन एक दिन भी पूरी मात्रा नहीं दी गई।

25 फरवरी को नहरबंदी खत्म होने वाली है। यदि बीकानेर कैनाल में पूरा पानी नहीं छोड़ा गया तो गंगनहर क्षेत्र की फसलें तबाह हो सकती हैं।

इस मांग को लेकर किसानों ने शुक्रवार सुबह 11:30 बजे जाम कर दिया था। हालांकि साढ़े चार घंटे बाद शाम चार बजे जाम खत्म किया। किसान संगठनों ने 26 फरवरी को श्रीगंगानगर में महापड़ाव का ऐलान किया है।

कलेक्ट्रेट के बाहर गंगा सिंह चौक पर हजारों की संख्या में किसान जुटेंगे और विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

जोधपुर : नवचौकिया में श्रुति हासन की फिल्म की शूटिंग शुरू

जोधपुर नीली नगरी के नाम से मशहूर जोधपुर का भीतरी शहर एक बार फिर बॉलीवुड के कैमरों से गुलजार है। अपनी ऐतिहासिक गलियों और अनूठे स्थापत्य के लिए मशहूर इस इलाके में एक नई फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है, जिसे देखने के लिए स्थानीय लोगों में भारी उत्साह है। कोतवाली स्कूल में सजे कैमरे फिल्म की शूटिंग फिलहाल शहर के नवचौकिया स्थित कोतवाली स्कूल में चल रही है। स्कूल परिसर को फिल्म के दृश्यों के अनुरूप तैयार किया गया है। भीतरी शहर की तंग गलियाँ और पुराने मकानों का बैकड्रॉप बॉलीवुड निर्देशकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता रहा है, और यही कारण है कि एक बार फिर इस लोकेशन को चुना गया है। इस विशेष शूट के लिए दक्षिण भारतीय फिल्मों और बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन जोधपुर पहुँची हैं। श्रुति को देखने और शूटिंग की एक झलक पाने के लिए नवचौकिया इलाके में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ रही है। सुरक्षा के लिहाज से शूटिंग स्थल पर कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि शूटिंग में किसी तरह का व्यवधान न आए।जोधपुर का भीतरी शहर 'भीतरी' संस्कृति और हेरिटेज लुक के लिए दुनिया भर में मशहूर है। हाल के वर्षों में कई बड़े बैनर की फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग यहाँ हुई है। इस नई फिल्म की शूटिंग से स्थानीय पर्यटन और कला को एक बार फिर वैश्विक पहचान मिलने की उम्मीद है।

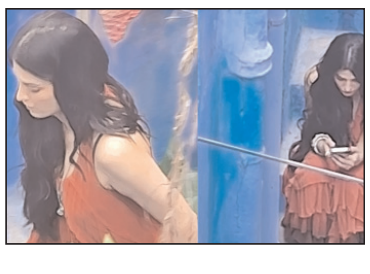

विधानसभा में गूंजी पत्रकारों के हितों की आवाज

भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने पुरजोर तरीके से उठाया मुद्दा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के चालू सत्र के दौरान भीलवाड़ा के विधायक अशोक कोठारी ने पत्रकार जगत के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदन के पटल पर पुरजोर तरीके से आवाज उठाई। विधायक कोठारी ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सरकार का ध्यान उनकी लंबित मांगों की ओर आकर्षित किया।

सदन की कार्यवाही के दौरान विधायक कोठारी ने पत्रकारों के लिए सुरक्षा कानून, आवास योजना और उनके स्वास्थ्य व कल्याण से जुड़ी योजनाओं के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी जनता की आवाज सरकार तक पहुँचाने वाले पत्रकारों को कार्यक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनके समाधान के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए।विधानसभा में पत्रकारों के पक्ष में इस तरह मजबूती से पक्ष रखने पर पत्रकार संगठनों और भीलवाड़ा के प्रबुद्धजनों ने विधायक अशोक कोठारी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इस कदम को पत्रकार हितों की दिशा में एक सकारात्मक और सराहनीय पहल बताया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बरखेड़ा प.स. चाकसू

क्रमांक :- एफ ()/ग्राप/ ई-निविदा/2025-26/ 45 दिनांक - 10/2/26

ई-निविदा सूचना संख्या 01 /2025-26
NIB No. PFD2526A0053
UBN No. PFD2526WSOB00086 TO 88

पंचायत समिति चाकसू के अधिनस्थ ग्राम पंचायत में विभिन्न योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित समस्त जानकारी पंचायत समिति / संबंधित ग्राम पंचायत में कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https/sppp.rajasthan.gov.in एवं https/eproc. rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करने की दिनांक 21.2.2026 से 02-03-2026 को सायं 5.00 बजे तक रहेगी।

प्रशासक
ग्राम पंचायत बरखेड़ा
पंचायत समिति चाकूस

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बरखेड़ा
पंचायत समिति चाकसू

एक्टिवा स्कूटी हुई चोरी

धौलपुर। डाक खाना चौराहा पर स्कूटी चोरी हो जाने को लेकर विश्वनाथ यदुवंशी पुत्र शम्भू शंकर ने पुलिस थाना निहालगंज पर एफआईआर दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 8 फरवरी को समय करीब 9.58 सुबह अपनी होण्डा एक्टीवा पर डाकर खाना चौराहा लाल बाजार धौलपुर पर पान सप्लाई करने को गया था इस दौरान पीड़ित चुन्ना पान वाल को पान के पैसे ले रहा था इतनी ही देर में पीछे खड़ी एक्टीवा को कोई अज्ञात व्यक्ति उसका लॉक तोड़ कर उठा ले गया। जैसे ही पीड़ित ने एक्टिवा को देखा तो गायब मिली काफी तलाश किया और तुरन्त पुलिस कन्ट्रोल रूम को सूचना दी। परन्तु कोई पता नहीं चला अतः पीड़ित ने कानूनी कार्यवाही की जाने को लेकर बाद तलाश मिलने दिलाई जाने की मांग की।

विनोद जाखड़ को एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर आतिशबाजी कर मनाई खुशी

सवाई माधोपुर। एनएसयूआई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर विनोद जाखड़ की नियुक्ति को लेकर जिले के एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आसिब खलीफा के नेतृत्व में एनएसयुआई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने बजरिया अंबेडकर सर्किल पर एकत्रित होकर मिठाई बाटी और आतिशबाजी की वही एक-दूसरे को बधाई दी। पदाधिकारियों ने कहा कि विनोद जाखड़ के नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा देशभर के विद्यार्थियों की आवाज और प्रभावी तरीके से उठेगी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से एनएसयूआई को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। इस दौरान मौजूद नेताओं ने संगठन को मजबूत करने और छात्र हितों के मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया। वही ह्रस्ढ्ढ जिलाध्यक्ष आसिब खलीफा ने कहा कि विनोद जाखड़ को एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये जाने के बाद प्रदेशभर में खुशी का माहौल हे।खलीफा ने कहा कि विनोद जाखड़ दलित घर से निकलकर राजस्थान कॉलेज के अध्यक्ष बने,यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष बने ओर अब प्रदेश एनएसयूआई के अध्यक्ष बने जिन्होंने पूरे राजस्थान के अंदर लोकतांत्रिक मूल्यों की,छात्रों की,महिलाओं की आवाज को उठाने का काम किया है।वही पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिवचरण बैरवा ने कहा कि राजस्थान से पहली बार एक दलित व्यक्ति को नेतृत्व दिया हे जिसको लेकर पूरे प्रदेशभर में खुशी का माहौल हे विनोद जाखड़ को एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए उन्होंने कांग्रेस नेताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे और नारेबाजी कर खुशी जाहिर की।

बल हार गया पर भक्ति अमर हो गई

एसकेमंगल

पुराणों में अंकित यह कथा युद्ध या छल की नहीं, बल्कि भक्ति की है जिसने स्वयं भगवान को नियमों में बांध दिया। प्राचीन युग में बालक का जन्म हुआ–नाम था जालंधर। मान्यताओं में वह भगवान शिव के तीसरे नेत्र की अग्नि से उत्पन्न हुआ। शिवांश से जन्मा होने से उसमें असाधारण शक्ति और अदम्य पराक्रम था। जालंधर का विवाह हुआ वृंदा से–ऐसी नारी, जो असुर कुल में जन्म लेकर भी भक्ति की पराकाष्ठा थी। वह भगवान विष्णु की अनन्य उपासिका और पतिव्रता धर्म की जीवंत प्रतिमा थी। उसका तप, उसका विश्वास ही जालंधर का वास्तविक कवच था। समय के साथ जालंधर में अहंकार भर गया। उसने देवलोक को ललकारा। इंद्र भयभीत हो उठे, देवता विचलित हो गए। अंततः स्वयं भगवान शिव युद्ध में उतरे। पर आश्चर्य कि महादेव भी जालंधर को परास्त न कर सके। हर प्रहार निष्फल हो रहा था। कारण था–जालंधर की रक्षा उसकी तलवार नहीं, वृंदा का संकल्प कर रहा था। जब जालंधर युद्ध में उतरता, वृंदा पूजा में बैठ जाती।

जब तक उसका ध्यान अखंड रहता, कोई शक्ति जालंधर को छू नहीं सकती थी। देवता विवश हो भगवान विष्णु के पास पहुंचे। विष्णु धर्मसंकट में पड़ गए–एक ओर सृष्टि, दूसरी ओर भक्त का अटूट विश्वास। अंततः धर्म की मर्यादा ने निर्णय कराया। विष्णु जी ने माया का आश्रय ले जालंधर का रूप धारण किया और वृंदा के महल में प्रवेश किया। तपस्या में लीन वृंदा ने स्वामी को विजय भाव में देखा, तो हर्ष से उठी। उसने पूजा रोक दी और झुक गई। यही क्षण था, जब सतीत्व का अदृश्य कवच टूट गया। वृंदा जब सेवा में थी, तभी आंगन में जालंधर का कटा मस्तक आ गिरा। उसने सामने वाले व्यक्ति से पूछा– 'यदि मेरे स्वामी का अंत हो चुका है, तो तुम कौन हो?' विष्णु वास्तविक रूप में प्रकट हुए। वेदना और रोष में वृंदा ने कहा 'हे नारायण! छल का सहारा लेकर तुमने मेरा सुहाग उजाड़ दिया। मैं तुम्हें श्राप देती हूँ–तुम पत्थर बन जाओ।' भगवान विष्णु शालिग्राम रूप में परिवर्तित हो गए। क्रोध शांत हुआ तो उसने विष्णु जी को मुक्त तो कर दिया, पर स्वयं अग्नि में प्रवेश कर गई। जहां वृंदा की देह भस्म हुई, वहां दिव्य पौधा प्रकट हुआ। विष्णु जी ने उसे नमन कर कहा– यह पौधा तुलसी कहलाएगा। तुम मुझे लक्ष्मी से अधिक प्रिय रहोगी। '

संपादकीय

कार्य-संस्कृति, उत्पादकता और विकास की चुनौती

के.एस. तोमर,

चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के नेतृत्व में जर्मनी का आर्थिक आत्ममंथन बर्लिन से कहीं आगे तक गूंजने वाली बहस बन चुका है। जब विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का प्रमुख नागरिकों से समृद्धि बनाए रखने के लिए 'अधिक काम' करने का आह्वान करता है, तो यह सांस्कृतिक आलस्य नहीं, बल्कि संरचनात्मक दबाव का संकेत होता है। मर्ज ने 'लाइफस्टाइल पार्ट-टाइम वर्क', अत्यधिक बीमार अवकाश व चार-दिवसीय कार्य-सप्ताह की अवधारणा की आलोचना करते हुए कहा है कि 'वर्क-लाइफ बैलेंस और चार-दिवसीय सप्ताह वर्तमान समृद्धि को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे।' उन्होंने ग्रीस जैसे देशों में अधिक कार्य-घंटों की भी सराहना की है।आलोचक तर्क देते हैं कि जर्मनी की प्रति घंटा उत्पादकता अब भी विश्व में अग्रणी है (ओईसीडी के अनुसार), किंतु मर्ज कुल कार्य-परिमाण पर बल देते हैं। 2026 में जर्मनी का अनुमानित जीडीपी 5.33 ट्रिलियन डॉलर (आइएमएफ अनुमान) है- जो उसे अधिकांश देशों से आगे रखता है, पर लगभग 32 ट्रिलियन डॉलर की अमरीकी अर्थव्यवस्था और 21 ट्रिलियन डॉलर के चीन से काफी पीछे है। भारत, लगभग 4.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ, समग्र आकार में अंतर घटा रहा है, भले ही प्रति व्यक्ति आय में बड़ा अंतर कायम है। स्पष्ट है कि यह बहस केवल जर्मनी की नहीं, बल्कि वृद्ध होती आबादी और बदलती वैश्विक शक्ति-संरचना के बीच विकास बनाए रखने की चुनौती का प्रतीक है।

यह प्रश्न पूरे विकसित विश्व के सामने है। जर्मनी यूरोप की औद्योगिक धुरी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रमुख चालक है। उसका इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, रसायन और पूंजीगत वस्तु क्षेत्र एशिया और भारत से गहराई से जुड़ा है। वहां की किसी भी संरचनात्मक मंदी का असर मध्यवर्ती वस्तुओं की मांग, तकनीकी साझेदारी और निवेश प्रवाह पर पड़ता है।

श्रम नीति में परिवर्तन एशियाई उत्पादन नेटवर्क तक लहर पैदा करता है और निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की रणनीतियों को प्रभावित करता है। पिछले दो दशकों से जर्मनी की जनसंख्या लगभग स्थिर है; प्राकृतिक वृद्धि नकारात्मक रही है, जिसे आप्रवासन ने संभाला है। समृद्धि बढ़ने के साथ प्रति श्रमिक वार्षिक कार्य-घंटे घटे हैं। 2024-25 के यूरोस्टेट और ओईसीडी आंकड़ों के अनुसार औसत साप्ताहिक कार्य-घंटे 33.9-34.6 हैं- यूरोपीय संघ में सबसे कम में से एक है- जो लगभग 1,350 वार्षिक घंटों के बराबर है, जबकि ग्रीस में यह लगभग 39.8 है। यह एक परिपक्व कल्याणकारी समाज की प्रवृत्ति है, जहां भौतिक सुरक्षा के बाद अवकाश को महत्व मिलता है।

इसके विपरीत, चीन ने विशाल श्रम-निवेश और निर्यात-उन्मुख विस्तार से कुल आकार में जर्मनी को पीछे छोड़ा, जबकि अमरीका ने बेहतर जनसांख्यिकी, श्रम-लचीलापन और नवाचार से बढ़त बनाए रखी। भारत के लिए संकेत स्पष्ट हैं। जर्मन कंपनियां उच्च श्रम लागत और जनसांख्यिकीय दबाव के बीच लागत-कुशल बाजारों की ओर रुख कर सकती हैं। जनवरी 2026 में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता, जिसके तहत 2032 तक यूरोपीय निर्यात दोगुना होने और 96% से अधिक वस्तुओं पर शुल्क में कटौती का अनुमान है, भारत-जर्मनी व्यापार (जो 29 अरब डॉलर से अधिक है) को गति दे सकता है। परंतु केवल जनसांख्यिकीय लाभ पर्याप्त नहीं। कौशल, उत्पादकता और नियामकीय सुधार अनिवार्य हैं।मर्ज का तर्क है कि समग्र 'कार्य-प्रदर्शन' अपर्याप्त है। दशकों में प्रति कर्मचारी वार्षिक कार्य-घंटे घटे हैं- यह आलस्य नहीं, बल्कि उच्च आय वाले समाज का तर्कसंगत व्यवहार है। जब वेतन ऊंचे हों, तो श्रमिक अतिरिक्त आय की बजाय अवकाश चुन सकते हैं। मजबूत श्रम-सुरक्षा और कड़े कार्य-समय नियमों ने कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित किया है, पर लचीलापन सीमित किया है। तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कठोर संरचनाएं बाधा बन सकती हैं।जनसांख्यिकीय दबाव और गंभीर है। डेस्टाटिस के अनुसार 2035 तक 67 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की हिस्सेदारी 25-27% तक पहुंच सकती है। वृद्धावस्था निर्भरता अनुपात भी तेजी से बढ़ेगा।

आत्मा खोने पर सिर्फ नाम और नंबर की सूची बनकर रह जाएंगे रिश्ते

डिजिटल क्रांति ने इस दूरी को और भी गहराई दी है। दोस्त अब मोहल्ले की गली या गांव की चौपाल पर नहीं मिलते, वे सोशल मीडिया और आभासी खेलों की दुनिया में मिलते हैं। भाई-बहन एक ही घर में रहकर भी अपने-अपने डिजिटल कमरों में कैद हैं। किसी के कानों में हेडफोन है, किसी की आंखों पर मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है। माता-पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं और बच्चों के पास माता-पिता को सुनने का धैर्य नहीं।

रिश्ते कभी वसंत की तरह खिलखिलाते हैं, कभी बरसात की तरह गीला-गीला होते हैं, कभी ग्रीष्म की तरह तपते हैं और कभी पतझड़ की तरह सूने-सूने लगते हैं। मगर बीते कुछ दशकों में इनका बदलना सिर्फ स्वाभाविक चक्र नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के गहरे बदलावों का आईना भी बन गया है। आज जब हम चारों ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि रिश्तों का रूप, उनकी परिभाषा और उनका निभाया जाना-सब कुछ बदल रहा है। यह स्थिति हमें कभी सुकून देती है, तो कभी बेचैनी से भर देती है।कभी भारतीय समाज की सबसे बड़ी पहचान संयुक्त परिवार हुआ करती थी। एक ही छत के नीचे तीन-चार पीढ़ियां साथ रहती थीं। बच्चों का पालन-पोषण सिर्फ मां-बाप तक सीमित नहीं था, उसमें दादी-नानी का दुलार, बड़ों की डांट और छोटे-बड़े भाई-बहनों की शरारतें शामिल थीं। त्योहार धार्मिक अवसर मात्र नहीं होते थे, बल्कि वे पारिवारिक एकजुटता और रिश्तों की मजबूती का उत्सव होते थे। अब वही संयुक्त परिवार टूटकर छोटे-छोटे फ्लैटों में सिमट गए हैं। महानगरों की नौकरी और पढ़ाई ने हमें ऐसी जगह पहुंचा दिया है, जहां न तो आंगन है, न चौपाल। चार पीढ़ियों का साथ अब दुर्लभ हो गया है। रिश्तों की नजदीकी धीरे-धीरे दूरी में बदल गई है।

डिजिटल क्रांति ने इस दूरी को और भी गहराई दी है। दोस्त अब मोहल्ले की गली या गांव की चौपाल पर नहीं मिलते, वे सोशल मीडिया और आभासी खेलों की दुनिया में मिलते हैं। भाई-बहन एक ही घर में रहकर भी अपने-अपने डिजिटल कमरों में कैद हैं। किसी के कानों में हेडफोन है, किसी की आंखों पर मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है। माता-पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं और बच्चों के पास माता-पिता को सुनने का धैर्य नहीं। संवाद जो कभी रिश्तों की जान हुआ करता था, अब सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर 'स्टेटस अपडेट' की दुनिया में बिखर गया है। शिकायतें सीधे कहे जाने के बजाय इशारों और 'इमोजी' में बदल गई हैं।

डिजिटल दुनिया ने कुछ नए रास्ते खोले हैं

यह भी सच है कि डिजिटल दुनिया ने कुछ नए रास्ते खोले हैं। परदेस गया बेटा अब अपनी मां से रोज वीडियो काल के जरिए बात कर सकता है। बहन-भाई रक्षाबंधन पर आनलाइन तोहफे भेज सकते हैं। विदेश में बैठा छात्र अपने गांव की शादी का सीधा प्रसारण देख सकता है। यह सब तकनीक की देन है और रिश्तों को नई तरह की निकटता भी देती है। मगर सवाल यही है कि क्या यह निकटता असली अपनापन बन पाती है? दिल का 'इमोजी' क्या सचमुच धड़कते दिल की गर्माहट पहुंचा सकता है? एक वीडियो काल क्या मां की गोद का विकल्प हो सकता है?

नई पीढ़ी रिश्तों को बराबरी की नजर से देखती है। बेटियां अपने फैसले खुद ले रही हैं, बेटे घर के कामों में हाथ बंटा रहे हैं। विवाह और दोस्ती, दोनों में बराबरी का भाव बढ़ा है। जाति और धर्म के बंधनों को भी धीरे-धीरे चुनौती दी जा रही है। यह बदलाव सकारात्मक है, क्योंकि यह रिश्तों को न्यायपूर्ण और अधिक मानवीय बना रहा है। मगर साथ ही यह पीढ़ी धैर्य और प्रतीक्षा से भी दूर जा रही है। हर चीज उन्हें तुरंत चाहिए- खाना, प्यार और रिश्ते भी। यही कारण है कि अब टूटते रिश्ते किसी को ज्यादा विचलित नहीं करते। सोशल मीडिया पर 'ब्लाक' और 'अनफ्रेंड' रिश्तों को खत्म करने का सबसे आसान रास्ता बन गए हैं। जहां पहले रिश्ते निभाने के लिए समझौते और त्याग की जरूरत होती थी, वहां अब एक क्लिक से रिश्ता खत्म करना आम हो गया है।

उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी रिश्तों की आत्मा को गहराई से प्रभावित कियाउपभोक्तावादी संस्कृति ने भी रिश्तों की आत्मा को गहराई से प्रभावित किया है। पहले रिश्ते अपनापन और जिम्मेदारी के आधार पर चलते थे। अब वे लाभ-हानि के तराजू में तौले जाने लगे हैं। दोस्ती तब तक है, जब तक काम आ रही है। विवाह तब तक है, जब तक सुख और सुविधा मिल रही है। पड़ोस तब तक है, जब तक उससे कोई फायदा जुड़ा हुआ है। यह मानसिकता रिश्तों को खोखला कर रही है। रिश्ते अब जिम्मेदारी कम और सौदेबाजी ज्यादा लगने लगे हैं।

त्योहारों की दुनिया में भी यही बदलाव दिखता है। पहले दीपावली पर घर-घर जाकर मिठाइयां बांटी जाती थीं, अब आनलाइन तोहफे का 'वाउचर' भेजना काफी समझा जाता है। होली पर गले मिलने की जगह 'हैप्पी होली' का संदेश भेज देना सामान्य हो गया है। ईद की सेवई और क्रिसमस का केक अब 'वाट्सएप स्टिकर' तक सिमट गया है। त्योहारों की आत्मा रिश्तों की गहराई थी, जो अब बाजार और तकनीक की चमक में कहीं खोती जा रही है।

तस्वीर पूरी तरह अंधेरी नहीं

फिर भी तस्वीर पूरी तरह अंधेरी नहीं है। बदलते रिश्तों के इस मौसम ने नई संभावनाएं भी खोली हैं। अंतरजातीय और अंतरधार्मिक विवाहों की स्वीकृति बढ़ रही है। दूरदराज के रिश्तेदार मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए लगातार जुड़े रह सकते हैं। मगर मूल सवाल वही है कि क्या यह सब रिश्तों को जीवित रखने के लिए काफी है? क्या आभासी अपनापन वास्तविक संवेदना की जगह ले सकता है? सच तो यही है कि रिश्ते निभाने के लिए तकनीक से अधिक संवेदना चाहिए। उन्हें जीवित रखने के लिए समय चाहिए, धैर्य चाहिए और सबसे बढ़कर वह मानवीय स्पर्श चाहिए, जिसे कोई मशीन नहीं दे सकती।

रिश्तों का मौसम चाहे जैसे भी बदले, उनकी आत्मा वही पुरानी है- विश्वास, अपनापन और जिम्मेदारी। अगर आत्मा बची रही तो रिश्ते बदलते मौसमों में भी हरे-भरे रहेंगे। अगर यह आत्मा खो गई, तो रिश्ते सिर्फ नामों और नंबरों की सूची बनकर रह जाएंगे। आज हमें यही तय करना है कि हम किस मौसम में जीना चाहते हैं- वसंत की गुनगुनाती गरमाहट में या पतझड़ की सूनी उदासी में।

यह भी पढ़ें: विदेशों में बस गए थे, फिर 100 साल पुराने घर ने लौटा दीं जड़ें, कराईकुडी से परिवार और परंपरा की वापसी

हाल ही में तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के कराईकुडी में अपनी जड़ों से जुड़े रहने की एक घटना चर्चा में आई। यहां एक ही परिवार की पीढ़ियों ने गांव-घर लौटने का मन बनाया। दुनिया के अलग-अलग हिस्से में जा बसे इन लोगों ने व्यस्तता और जीवन की आपाधापी को भूल कर एक-दूजे से मिलने का मार्ग निकाला और अपने पैतृक आवास पर पहुंच गए। बिखरते रिश्तों के इस दौर में यह प्रयास पीढ़ियों को जोड़ने की एक प्रेरणादायी घटना है।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है।

'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं।

पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है। मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है।

गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही।'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो।

यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है।

महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा।

दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन करने वाले चीन और अमेरिका भी इसी में शामिल हैं। चीन ने वर्ष 2026 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस मामले में वह कितना खरा उतरेगा, कहना मुश्किल है। दूसरी ओर, जर्मनी और स्वीडन जैसे देश 2045 तक, जबकि आस्ट्रिया, फिनलैंड और उरूग्वे ने अलग-अलग समय में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

कई देश वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं

अमेरिका के अलावा ऐसे कई देश हैं जो इस मामले में कहीं आगे जाकर वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं। इस बीच सुखद यह है कि जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती के बीच भारत के वन क्षेत्र में वर्ष 2021 के दौरान तीन फीसद से अधिक बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर दूसरे देशों के मुकाबले कहीं अधिक चिंतित है। इस समय वह नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-26) में भारत ने इस मामले में अपना पक्ष रखा था। अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा को किसी भी तरह कम किया जाए। दूसरा यह कि अपनी 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से कैसे पूरा किया जाए। वहीं कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते जाना है।

इसके अलावा, वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तो है ही। हालांकि समय की कसौटी पर कौन कितना खरा उतरेगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को कितना नुकसान हुआ है, यह अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में हरित विकास पर जोर दिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी बनाना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।बजट में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी बड़ी राशि आबंटित की गई है और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रानिक वाहनों तथा परमाणु ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष के बजट में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की पहल दिखती है। हरित ऊर्जा गलियारा, परमाणु ऊर्जा पर जोर और हरित बुनियादी ढांचा- ये सब ऐसे संदर्भ हैं, जिस पर भारत 'पृथ्वी प्रथम' की नीति को महत्त्व देता है। जबकि कुछ ताकतवर देश अपनी नीतियों में 'देश प्रथम' को महत्त्व दे रहे हैं।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'चाइनीज रोबोटिक डॉग' ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कराई फजीहत

यह बात समझ से बाहर है कि इस संस्थान को चीन के बनाए 'रोबोटिक डाग' को अपना नवाचारी उत्पाद बता कर पेश करने की क्या जरूरत थी?़ सम्मेलन में उपस्थित उसके प्रतिनिधि ने क्या सोच कर इस संबंध में अतिरेक से भरे और झूठे दावे किए?

आमतौर पर झूठे दावों की हकीकत किसी न किसी रूप में सामने आ जाती है, लेकिन कई बार उसके नतीजे गंभीर होते हैं। दिल्ली में आयोजित 'एआइ इम्पैक्ट सम्मेलन' में हिस्सा लेने वाले गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक झूठ से न केवल उसकी फजीहत हुई, बल्कि इस आयोजन में बरती जाने वाली कोताही पर भी सवाल उठे।

यह बात समझ से बाहर है कि इस संस्थान को चीन के बनाए 'रोबोटिक डाग' को अपना नवाचारी उत्पाद बता कर पेश करने की क्या जरूरत थी?़ सम्मेलन में उपस्थित उसके प्रतिनिधि ने क्या सोच कर इस संबंध में अतिरेक से भरे और झूठे दावे किए? अव्वल तो भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस तरह के फर्जी और अनैतिक दावे करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए था।

दूसरे, ऐसा करते हुए एक बार भी इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा गया कि जिस तरह की तकनीक के बारे में झूठा दावा किया गया, आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में उस झूठ को सामने आने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आखिर विवाद बढ़ने के बाद संस्थान को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन इससे उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ा है। इस विवाद को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने उचित ही सम्मेलन से वह स्थल खाली करने को कहा गया, जहां इस निजी विश्वविद्यालय ने अपनी प्रदर्शनी लगाई थी।

इस बात की पूरी संभावना है कि एआइ सम्मेलन में प्रदर्शित करने के लिए आए तमाम उत्पादों को मंजूरी पहले ही दी गई होगी। सवाल उठता है कि इस सम्मेलन में संस्थानों को जब अपने मौलिक एआइ उपकरणों को प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया होगा, तब गलगोटिया की ओर से लाए गए 'रोबोटिक डाग' और उसके बारे में बढ़-चढ़ किए गए दावों को लेकर आयोजकों की ओर से शुरू में ही जरूरी सवाल क्यों नहीं किए गए?

आज जब देश कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने की जमीन तैयार करने में लगा है, तो ऐसे में इस विवाद ने सम्मेलन में एक असहज स्थिति पैदा की। सवाल केवल किसी संस्थान की साख का नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा का है।

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया। अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता!जब भी अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में जरूरी संवेदनशीलता के तकाजों की अनदेखी की जाती है, तब यौन अपराधों के विरुद्ध महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रयास कमजोर होते हैं। शायद इन्हीं वजहों से सुप्रीम कोर्ट ने अब यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भ में न्यायाधीशों के दृष्टिकोण और न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता तथा करुणा पैदा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को एक समिति गठित करने को कहा है।यह इसलिए भी जरूरी पहल है कि न्याय की उम्मीद तभी पूरी हो सकती है, जब न्यायाधीशों के भीतर पीड़ित की वास्तविक स्थितियों के प्रति जरूरी संवेदनशीलता, करुणा और समझ की भावना हो।घर से लेकर कार्यस्थल तक और यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर भी कुछ लोग स्त्रियों की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने से बाज नहीं आते। नैतिक और सामाजिक मूल्यों की इस गंभीर क्षति को रोकने का प्रयास कम ही दिखता है। मगर पिछले दिनों दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में महिलाओं को परेशान किए जाने की घटना को पंजाबी गायिका जैस्मीन सैंडलस ने गंभीरता से लिया।

भारत-पाकिस्तान मैच ने तोड़े डिजिटल व्यूअरशिप रिकॉर्ड्स, जियोहॉटस्टार पर 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले ने व्यूअरशिप के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच को 16.3 करोड़ यूजर्स ने देखा। यह टी20 फॉर्मेट में किसी भी आईसीसी इवेंट के लिए एक मैच की सबसे ज्यादा रीच है।

यह मैच 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच को 20 बिलियन मिनट देखा गया है। इतना ही नहीं इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 2024 ञ्20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच को भी पीछे छोड़ दिया है। यह फाइनल मैच भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया था।

मोबाइल पर यह मैच लीग स्टेज का सबसे ज्यादा देखा गया मुकाबला बना। सभी प्लेटफॉर्म मिलाकर कुल 20 अरब मिनट का वॉच टाइम रिकॉर्ड हुआ, जो पिछले संस्करण की तुलना में 42% ज्यादा है।

2024 के भारत-पाकिस्तान मैच की तुलना में भी डिजिटल रीच में 56% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

जियोहॉटस्टार बोला- टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जुनून का सबूत

जियोहॉटस्टार के स्पोर्ट्स सेल्स हेड अनूप गोविंदन ने कहा कि यह रिकॉर्ड दर्शकों के जबरदस्त जुड़ाव को दिखाता है। वहीं कंटेंट हेड सिद्धार्थ शर्मा ने इसे देश के टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जुनून का सबूत बताया।

भारत ने जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। वहीं, भारत अब सुपर-8 में पहुंच चुका है और 21 फरवरी से शुरू हो रहे अगले चरण में खिताब बचाने की चुनौती के साथ उतरेगा।

सुपर-8 में 12 मैच होंगे, 3 दिन डबल हेडर

सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बनेंगे। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेगी। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें अगले राउंड में एंट्री करेंगी। सुपर-8 स्टेज में 22 और 26 फरवरी के साथ 1 मार्च को 2-2 मैच खेले जाएंगे। 20 से 28 फरवरी तक बाकी दिन 1-1 मैच ही होगा।

4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। इन्हें जीतने वाली टीम 8 मार्च को फाइनल में भिड़ेगी। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो उसके सभी मैच कोलंबो में होंगे।

भारतीय विमेंस टीम 17 रन से दूसरा टी-20 हारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 रन के अंदर 6 विकेट गंवाए

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंडिया विमेंस को 17 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। गुरुवार को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 163 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया 9 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वॉल ने सबसे ज्यादा 88 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वॉल ने मूनी के साथ मिलकर पहले विकेट लिए 128 रन जोड़े और ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया को दोनों ओपनर्स जॉर्जिया वॉल और बेथ मूनी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने शतकीय साझेदारी करते हुए पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े।15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट खोए 128 रन बना लिए थे। ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया 180 या 190 के स्कोर तक पहुंच सकती है, लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने

वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट पर 163 रन के स्कोर पर रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया से वॉल ने 57 गेंदो पर 88 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं मूनी ने 39 गेंदों पर 46 रन बनाए। भारत के लिए अरुंधति रेड्डी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। जबकि रेणुका ठाकुर को 1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की दो बैटर्स रन-आउट हुईं।भारतीय पारी अच्छी शुरुआत के बाद पटरी से उतरी 164 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने तेज शुरुआत की।

दोनों ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 54 रन बना दिए। भारत ने 7वें ओवर में 57 रन पर शेफाली का विकेट गंवाया और 10वें ओवर तक स्कोर 71 रन पर 3 विकेट हो गया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने फिर चौथे विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन इस पार्टनरशिप के टूटते ही भारत ने अगले 7 रन के अंदर 6 विकेट गंवा दिए।हरमन ने 36 रन बनाए भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने सबसे ज्यादा 36 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति ने 31 और शेफाली ने 29 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

उनके अलावा किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलेन्यू ने 2-2 विकेट लिए।

उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है, कोच ट्रॉट की विदाई पर बोले कप्तान राशिद

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अंत धमाकेदार जीत के साथ किया। गुरुवार को एम चिदंबरम के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के 39वें मुकाबले में अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया। अफगानिस्तान ने जीत के साथ टीम के हेड कोच जोनाथन ट्रॉट को भी विदाई दी। कप्तान राशिद खान ने मैच के बाद कहा कि ट्रॉट ने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया और उनका टीम से अलग होना काफी भावुक करने वाला पल है। कनाडा के खिलाफ मिली जीत के बाद राशिद ने कोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जोनाथन ट्रॉट के साथ पिछले चार या साढ़े चार साल का यह सफर कमाल का रहा। उन्होंने

अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया। टीम को इस मुकाम तक पहुंचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। ट्रॉट को इस तरह से टीम से अलग होते देखना काफी भावुक पल है, लेकिन यही जिंदगी है। आप कभी भी हमेशा साथ नहीं रह सकते हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनसे फिर मुलाकात होगी।'

अफगानिस्तान के टूर्नामेंट में सफर को लेकर राशिद ने कहा, 'हम पूरी तैयारी के साथ आए थे और हमने टूर्नामेंट में लाजवाब क्रिकेट खेला। मेरे हिसाब से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में मिली हार ने हमको बैकफुट पर धकेल दिया और सबसे ज्यादा चोट भी पहुंचाई। हम इस बात को जानते थे कि विश्व कप में अपने भाग्य को नियंत्रण में रखने के लिए हमें शुरुआती दो मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी ही होगी। हालांकि, टूर्नामेंट ऐसे ही चलता है।'राशिद ने आगे कहा, 'इस टूर्नामेंट से हमारे लिए काफी चीजें सकारात्मक रहीं, जिसके साथ हम आगे बढ़ना चाहेंगे और अगले आईसीसी इवेंट में मजबूती के साथ वापसी करेंगे। हालांकि, कुछ चीजों में हमें सुधार करने की जरूरत है। खासतौर पर बड़ी टीमों के खिलाफ हमारे मध्यक्रम बल्लेबाजों का प्रदर्शन और अंतिम ओवरों में गेंदबाजी।

मानसा में रोमांचक क्रिकेट प्रतियोगिता, अजय कुमार सरमेघा की टिप्पणी बनी विशेष आकर्षण

नई दिल्ली। मानसा में बाबा दीप सिंह खेल एवं कल्याण क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता खेल प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने भाग लिया, जिससे मुकाबले अत्यंत रोमांचक और उच्च स्तर के देखने को मिले। प्रतियोगिता के दौरान प्रसिद्ध उद्घोषक अजय कुमार सरमेघा की जोशीली और प्रभावशाली टिप्पणी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उनकी ऊर्जावान आवाज़ ने मैदान में उपस्थित दर्शकों के साथ-साथ दूर बैठे श्रोताओं को भी हर गेंद के साथ जोड़े रखा।भूख, मुश्किलें, ताने – सब सहकर भी मुस्कुराया हूँ,

मैं सरमेघा का बेटा हूँ, आवाज़ से इतिहास बनाया हूँ।

अजय कुमार सरमेघा का जन्म 18 फरवरी 1992 को सरमेघा गांव, जिला रियासी, जम्मू और कश्मीर में हुआ। बचपन से ही क्रिकेट वर्णन का शौक रखने वाले अजय कुमार ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्षों तक संघर्ष किया। प्रारंभिक समय में उनके मित्र और रिश्तेदार श्री जगदीश ने उनका भरपूर साथ दिया। अनेक अवसरों पर उन्होंने निःशुल्क वर्णन किया, परंतु अपने स्वप्न से कभी पीछे नहीं हटे।

उन्होंने कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों के साक्षात्कार भी किए हैं, जिनमें अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, वैभव अरोड़ा तथा नवदीप सैनी जैसे नाम शामिल हैं।

इस अवसर पर मानसा में क्रिकेट के संस्थापक जतिंदर अगरा ने अजय कुमार सरमेघा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे उद्घोषक खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार करते हैं, जिससे खेल का स्तर और भी ऊंचा हो जाता है तथा दर्शकों में रोमांच बना रहता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मानसा की धरती आगे भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करती रहेगी।

निश्चित रूप से अजय कुमार सरमेघा की आवाज़ भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान स्थापित करेग

व्यापार

एआई कंटेंट पर लेबल जरूरी, नए नियम लागू

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को डीपफेक फोटो-वीडियो 3 घंटे में हटाने होंगे

अगर कोई फोटो, वीडियो या ऑडियो एआई की मदद से बनाया गया है, तो उस पर 'लेबल' लगाना जरूरी कर दिया गया है। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट को शिकायत मिलने के महज 3 घंटे के भीतर हटाना होगा। ये नए नियम 20 फरवरी 2026 से लागू हो गए हैं। 10 फरवरी को इसका नोटिफिकेशन जारी हुआ था।

पीएम बोले- कंटेंट पर 'ऑथेंटिसिटी लेबल' की जरूरत

इन नियमों के लागू होने से एक दिन पहले यानी, 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने,द्ब समिट में भी लेबल को लेकर सुझाव दिया था। उन्होंने कहा था कि जैसे खाने के सामान पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या फैब्रिकेटेड, यानी एआई से बनाया गया है।

एआई लेबल: वीडियो पर 'डिजिटल स्टैम्प'

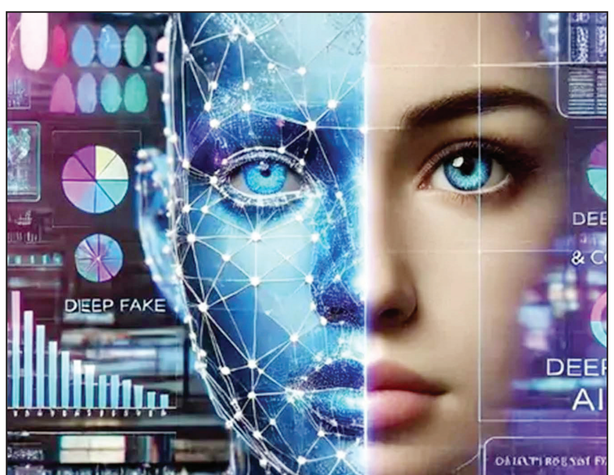

जैसे खाने के पैकेट पर लिखा होता है कि वह 'शाकाहारी' है या 'मांसाहारी', ठीक वैसे ही अब हर एआई वीडियो, फोटो या ऑडियो पर एक लेबल लगा होगा।

मान लीजिए आपने एआई से एक वीडियो बनाया जिसमें कोई नेता भाषण दे रहा है, तो उस वीडियो के कोने में साफ लिखा होना चाहिए- एआई जनरेटेड '।

टेक्निकल मार्कर: डिजिटल डीएनए

मेटाडेटा को आप उस फाइल का 'डिजिटल डीएनए' मान सकते हैं। यह स्क्रीन पर तो नहीं दिखता, लेकिन फाइल की कोडिंग के अंदर छिपा होता है।

इसमें यह जानकारी दर्ज होगी कि यह फोटो या वीडियो किस तारीख को बना, किस एआई टूल से बना और किस प्लेटफॉर्म पर पहली बार अपलोड हुआ।

अगर कोई एआई का इस्तेमाल करके अपराध करता है, तो पुलिस इस 'टेक्निकल मार्कर' के जरिए उसके असली सोर्स तक पहुंच सकेगी।

छेड़छाड़ पर रोक: मिटाया नहीं जा सकेगा लेबल

पहले लोग एआई से बनी फोटो का कोना काटकर या एडिटिंग करके उसका 'वॉटरमार्क' हटा देते थे ताकि वह असली लगे। अब सरकार ने इसे गैर-कानूनी बना दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसी तकनीक अपनानी होगी कि अगर कोई उस लेबल या मेटाडेटा को हटाने की कोशिश करे, तो या तो वह कंटेंट ही डिलीट हो जाए।

एआईसमिट में भारत-अमेरिका का 'पैक्स सिलिका समझौता, चिप सेक्टर में 10 लाख नौकरियां आएंगी

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के आखिरी दिन भारत और अमेरिका ने 'पैक्स सिलिका' डिक्लेरेशन पर साइन किए हैं। इस समझौते का मकसद दुनिया भर में सेमीकंडक्टर और एआई की सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और गैर-मित्र देशों पर निर्भरता कम करना है।

अश्विनी वैष्णव बोले- सेमीकंडक्टर का हब बनेगा भारत

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमेरिकी आर्थिक मामलों के सचिव जैकब हेलबर्ग ने इसपर साइन किए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत अब पैक्स सिलिका का हिस्सा बन गया है, जिससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बड़ा फायदा होगा।

उन्होंने बताया- भारत में पहले से ही 10 प्लांट्स पर काम चल रहा है। बहुत जल्द देश के पहले सेमीकंडक्टर

प्लांट में चिप का कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। वैष्णव ने यह भी साझा किया कि भारतीय इंजीनियर अब देश में ही एडवांस '2-नैनोमीटर' चिप डिजाइन कर रहे हैं।

सेमिकंडक्टर इंडस्ट्री को 10 लाख प्रोफेशनल्स की जरूरत

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को आने वाले समय में करीब 10 लाख अतिरिक्त स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी और दुनिया की यह उम्मीद भारत से ही है। उन्होंने कहा, 'देश के पास अब एक साफ दिशा और लक्ष्य है। हमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडरशिप लेनी है। '

अमेरिका बोला- भारत का प्रवेश सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं

समिट में शामिल अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस गठबंधन में भारत की एंट्री को रणनीतिक रूप से अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा, 'भारत के पास ऐसा टैलेंट है जो किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकता है। भारत की इंजीनियरिंग गहराई इस गठबंधन के लिए बहुत जरूरी है। '

मोदी और ट्रम्प की जल्द हो सकती है मुलाकात

सर्जियो गोर ने भारत में हो रही इस समिट को बेहद प्रभावशाली बताया। जब उनसे पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकेत देते हुए कहा- बने रहिए।

सेंसेक्स 316 अंक चढ़कर 82,814 पर बंद, निफ्टी में 117 अंकों की तेजी, 25,571 पर पहुंचा

नई दिल्ली। सेंसेक्स शुक्रवार 20 फरवरी को 316 अंक (0.38%) चढ़कर 82,814 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 117 अंक (0.46%) चढ़ा। ये 25,571 के स्तर पर पहुंच गया। आज के कारोबार में मेटल और सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी है। आईटी में गिरावट है।

एशियाई मार्केट में मिला-जुला कारोबार

जापान का निक्केई इंडेक्स 1.12% गिरकर 56,825 के स्तर पर बंद हुआ।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.31% चढ़कर 5,808 के स्तर पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.10% अंक गिरकर 26,413 पर है।

चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 14 फरवरी से बंद है।

विदेशी निवेशकों ने 1,154 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे

विदेशी निवेशकों ने 19 फरवरी को 880 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 596 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

इस महीने यानी फरवरी में अब तक फिल्स ने 1,076 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस दौरान डिल्स ने 11,474 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

जनवरी 2026 में फिल्स ने कुल ?41,435 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान डिल्स ने ?69,220 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस अपना इनिशियल पब्लिक ऑफर 23 फरवरी को खुलेगा। निवेशक 25 फरवरी तक इसमें बोली लगा सकेंगे।

कंपनी इस आईपीओ के जरिए 3,100 रुपए जुटाना चाहती है। कंपनी इस इश्यू के जरिए फ्रेश शेयर और ऑफर फॉर सेल दोनों लेकर आ रही है।

निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार के सात कदम, ई-कॉमर्स निर्यातकों को सस्ते कर्ज के साथ मदद भी

सरकार ने देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सात नई पहल की घोषणा की है, जिनमें ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट सहायता और वैकल्पिक व्यापार वित्त साधनों को समर्थन शामिल है। ये कदम 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत उठाए गए हैं, जिसके 10 घटकों में से तीन को पहले ही जनवरी में लागू किया जा चुका है।

सरकार की घोषित सात प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं:

डायरेक्ट ई-कॉमर्स क्रेडिट फैसिलिटी- ई-कॉमर्स निर्यातकों को 50 लाख रुपये तक कर्ज सहायता, 90% गारंटी कवरेज के साथ।

ओवरसीज इन्वेंट्री क्रेडिट फैसिलिटी- विदेश में स्टॉक रखने के लिए 5 करोड़ रुपये तक सहायता,

75% गारंटी और 2.75% ब्याज सब्सिडी।

एक्सपोर्ट फैक्टरिंग पर ब्याज सब्सिडी- एमएसएमई के लिए सस्ती कार्यशील पूंजी हेतु फैक्टरिंग लागत पर 2.75% ब्याज सहायता (सीमा 50 लाख रुपये सालाना)।

उच्च जोखिम/नए बाजारों के लिए ट्रेड फाइनेंस सपोर्ट- लेटर ऑफ क्रेडिट कन्फर्मेशन और नेगोशिएशन जैसे क्रेडिट एन्हांसमेंट साधनों को समर्थन।

ट्रेस (ट्रेड रेगुलेशन्स, एक्रेडिटेशन एंड कम्प्लायंस एनेबलमेंट)- अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और अनुपालन खर्च पर 60% से 75% तक प्रतिपूर्ति (सीमा 25 लाख रुपये प्रति आईईसी)।

फ्लो (लॉजिस्टिक्स, ओवरसीज वेयरहाउसिंग एंड फुलफिलमेंट)- विदेशी वेयरहाउसिंग, ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब और ग्लोबल वितरण नेटवर्क तक पहुंच के लिए परियोजना लागत का 30% तक समर्थन।

लिफ्ट और इनसाइट सपोर्ट- दूरदराज/पहाड़ी क्षेत्रों के निर्यातकों को फ्रेट पर 30% तक सहायता और ट्रेड इंटेलिजेंस व फैसिलिटेशन परियोजनाओं के लिए 50% तक वित्तीय सहयोग ।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
धौलपुर, शनिवार 21 फरवरी 2026

ऐसे 12 एंटी-कैंसर सुपरफूड्स जो बच्चों को रखेंगे बीमारी से दूर

कैंसर एक ऐसी जानलेवा बीमारी है, जो सिर्फ बड़ों व बूढ़ों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रही है। रिपोर्ट के अनुसार, हर साल करीब 3 लाख बच्चे इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आते हैं, जिनमें से 78 हजार से ज्यादा अकेले भारत में होते हैं। इसका एक कारण कहीं न कहीं बच्चों की गलत डाइट व लाइफस्टाइल है।

आज हम आपको एंटी-कैंसररोधी फूड्स के बारे में बताएंगे, जो बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाने में मदद करेंगे।

बच्चों को किस कैंसर का खतरा ज्यादा?

बच्चों में ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, हॉज्किन्ज लिम्फोमा, साकोर्मा और एंब्रायोनल ट्यूमर, बोन कैंसर (हड्डियों का कैंसर), नर्वस सिस्टम ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, रैब्डोमायोसरकोमा, रेटिनोब्लास्टोमा के मामले भी देखने को मिलते हैं।

चलिए अब आपको बताते हैं बच्चों को कैंसर से बचाने वाले एंटी-फूड्स...

लहसुन और प्याज

औषधीए गुणों से भरपूर लहसुन और प्याज बच्चों को कैंसर से बचाने में मदद करते हैं।यह इंसुलिन उत्पादन को कम करके शरीर में ट्यूमर नहीं होने देता। आप इसे बच्चों के स्नैक्स, फूड्स में शामिल कर सकते हैं।

हरी सब्जियां

जंक फूड्स के चक्कर में आजकल बच्चे हरी सब्जियों को देखना भी पसंद नहीं करते। मगर, सब्जियां ना सिर्फ कैंसर बल्कि अन्य कई बीमारियों का खतरा भी कम करती है। ऐसे में बच्चों को रोजाना दिन में एक बार कोई ना कोई सब्जी खाने के लिए जरूर दें, खासकर ब्रोकली, पालक, गोभी, टमाटर आदि।

अदरक

इसमें कैंसर की कोशिकाओं से लड़ने वाले कुछ खास गुण होते हैं, जो शरीर में ट्यूमर को बढ़ने से रोकते हैं। अगर आप भी बच्चों को इस बीमारी से बचाना चाहते हैं तो उनके भोजन में अदरक जरूर डालें।

हल्दी

हल्दी में प्राकृतिक कैंसररोधी गुण होते हैं, जो शरीर में ट्यूमर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। आप बच्चों के खाने में हल्दी शामिल करने के साथ उन्हें हल्दी वाला दूध भी दे सकते हैं।

ताजे फल

बच्चों को कैंसर जैसी बीमारी से दूर रखने के लिए उनकी डाइट में फल व उनके जूस जरूर शामिल करें। विटामिन्स, एंटी-ऑक्सीडेंट व एंटी-कैंसर गुणों से भरपूर फलों में कैंसर कोशिकाओं को रोकने की क्षमता होती है।

फलियां और दाल

दाल और फलियां प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत होने के अलावा फाइबर और फोलेट प्रदान करते हैं जो पैनक्रियाज कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं। वहीं फलियां में प्रतिरोधी स्टार्च होता है जो बड़ी आंत की कोशिकाओं के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।

जैतून का तेल

स्टडी के मुताबिक, जैतून के तेल से बनी चीजें खाने से कैंसर का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। इसके अलावा इससे कोलोरेक्टल कैंसर की दर में कमी आती है।

आंवला

आंवला विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस, फाइबर और कार्बोहाइड्रेट के गुणों से भरपूर होता है। इससे बच्चों का इम्यून सिस्टम बूस्ट होता है, जिससे शरीर को कैंसर सेल्स से लड़ने में मदद मिलती है।

अलसी के बीज

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड, ओमेगा -3 फैटी एसिड और फाइटोस्ट्रोजेन से भरपूर होने के कारण इसका सेवन भी बच्चों को इस जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करता है।

फैटी फिश

बच्चों को हफ्ते में 2-3 बार फैटी फिश जरूर दें। इससे उनमें कैंसर कोशिकाओं का बनना एक-तिहाई प्रतिशत कम हो जाता है। वसायुक्त मछली जैसे सालमन, मैकेरल और एंकोवी का सेवन पेट व ब्लड कैंसर का खतरा कम करता है।

अखरोट

इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-बी, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। ऐसे में बच्चों को रोजाना 4-5 अखरोट खाने के लिए जरूर दें। आप इसकी स्मूदी या स्वीट डिश भी बना सकते हैं।

तुलसी

तुलसी को कैंसर किलर कहा जाता है। रोजाना तुलसी के 2-3 पत्ते खाने से कैंसर तो क्या जुकाम भी नहीं होगा। ऐसे में बच्चों को तुलसी खाने के लिए जरूर दें।

फैशन इंडस्ट्री पर छाया ग्रे रंग का जादू

फैशन की दुनिया हर साल अपने साथ कुछ नया ट्रैंड लेकर आती है। ग्लोबल कलर के ट्रेंड की बात करें तो पेंटोन द्वारा हर साल कलर ऑफ द ईयर निकाला जाता है। इस साल पेंटोन ने विचार-विमर्श के बाद ग्रे कलर को कलर ऑफ द ईयर चूज किया है। अब ग्रे कलर फैशन वर्ल्ड में छाया हुआ है। तो चलिए बिना देरी किए आपको दिखातें है ग्रे रंग के कुछ फेमस आउटफिट्स व एक्सेसरीज। जिसमें इस कलर का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से हुआ है।

फैशन में नए-नए एक्सपेरीमेंट्स
बैग्स में भी दिखा ग्रे रंग का जादू
ग्रे हेयर एक्सेसरीज एंड स्टाल
ग्रे रंग के फुटवियर से लुक को बनाए स्टाइलिश

डायबिटीज और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद है अमरूद

ऐसे करें डाइट में शामिल

अमरूद विटामिन-सी का उचित स्त्रोत हैं। इसके साथ ही इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर में को सभी जरूरी तत्व मिलने के साथ इम्यूनिटी बूस्ट होने में मदद मिलती है। इसलिए फिट एंड फाइन रहने के लिए इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। तो आइए आज हम आपको इससे मिलने वाले फायदों के बारे बताते हैं। मगर इससे पहले जानते हैं इसमें मौजूद पोषक तत्व व सेवन का तरीका...

100 ग्राम अमरूद में मौजूद गुण...

बात अगर इसमें मौजूद पोषक तत्वों की करें तो 100 ग्राम अमरूद में 8.59 ग्राम फाइबर, 45 कैलोरी, 0.32 ग्राम फैट, 1.4 ग्राम प्रोटीन, 45 कैलोरी और 5 ग्राम कार्ब्स होता है।

इस तरह करें डाइट में शामिल...

1. इसे फ्रूट सैलेड के तौर पर खाया जा सकता है।
2. इसकी चटनी बना कर भी खाई जा सकती है।
3. इसका जूस निकाल कर पिएं।
4. अमरूद को काट कर सेंधा नमक के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

अमरूद से मिलने वाले फायदे...

- इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, फाइबर, आयरन पाया जाता है।
- इसके सेवन से प्रोस्टेट कैंसर होना का खतरा कम रहता है।
- अमरूद के सेवन से ब्लड प्रेशर बेहतर रहता है।
- किसी को सांस से जुड़ी कोई परेशानी होने पर भी इसका सेवन करना बेस्ट ऑप्शन है।
- यह पाचन शक्ति मजबूत करने में मदद करता है।
- वेज लूज करने में भी इसका सेवन करना बेस्ट रहेगा।
- डायबिटीज को कंट्रोल रखने में भी अमरूद बेहद फायदेमंद होता है।
- पोषक तत्वों से भरपूर अमरूद का सेवन करने से इम्यूनिटी लेवल बूस्ट करने में मदद मिलती है।

अमरूद खाने से मिलने वाले अन्य फायदे...

डायबिटीज में फायदेमंद

इसमें चीनी की मात्रा कम होने से डायबिटीज कंट्रोल रहने के साथ इसके होने का खतरा कम रहता है। एक रिसर्च के अनुसार भी सही मात्रा में इसका सेवन करने से ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

कैंसर से बचाए

अमरूद खाने में टेस्टी होने के साथ शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की चपेट में आने से बचाता है। एक शोध के अनुसार, अमरूद में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व एंटी-कैसर गुण शरीर में कैंसर की कोशिकाएं पनपने से रोकते हैं। यह शरीर में फ्री रैडिकल्स की गिनती कम करके सेल्स को डैमेज होने से बचाता है। ऐसे में कैंसर होने की संभावना कई गुणा कम हो जाती है।

ब्लड प्रेशर रहे कंट्रोल

इसमें विटामिन-सी, फाइबर, पोटैशियम व एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। ऐसे में ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर अमरूद इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इससे सर्दी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों के होने का खतरा कम रहता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

इसमें विटामिन ए होने से आंखों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याओं के होने का खतरा कम रहता है।

ईएलसी कार्यक्रम के अन्तर्गत ईएलएफ का आयोजन

विधार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में लिया भाग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। स्थानीय हंस पी.जी. कॉलेज में शुक्रवार को ईएलसी कार्यक्रम के अन्तर्गत ईएलएफ ;म्समबजवतंस स्पजमतंबल थ्मेजपअंसद्ध का आयोजन किया गया। एसआईआर के अन्तर्गत सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिये निजी कॉलेजों में हंस कॉलेज को प्रथम पुरूस्कार प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि नोडल प्रभारी प्राचार्य डॉ. आरके सिंह व विषिष्ठ अतिथि ईएलसी प्रभारी डॉ. भरतलाल मीणा रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्व्वलन के साथ हुआ। हंस कॉलेज प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुये विद्यार्थियों को मतदान के लिये प्रेरित किया तथा लोकतंत्र में मतदान की महत्ता पर प्रकाष डाला। भाषण प्रतियोगिता में खुषी, गुन्नू व सपना ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षन किया तथा रंगोली प्रतियोगिता में मतदान के महत्व पर प्रकाष डालने वाली कलाकृति का निर्माण सपना, धोली, अंकिता व पूजा ने किया। इसके बाद क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अंकित, प्रदीप, हरिपाल ने सहभागिता की। अतिथियों ने विधार्थियों को पुरूस्कृत किया। मुख्य अतिथि डॉ. आरके सिंह ने कहा कि विष्व के सबसे बडे लोकतंत्र की बुनियाद मतदान है, इसके बिना समाज का सर्वांगीण विकास असम्भव है। विषिष्ठ अतिथि डॉ. बीएल मीणा ने समाज में मतदान जागरूकता हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

रसगुल्ला फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 810 किलोग्राम रसगुल्ला मिलावट के संदेह पर किया सीज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक डॉ. टी. शुभमंगला, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी, एडीएम ओमप्रकाश सहारण एवं सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में शुक्रवार को कस्बे के बानसुर रोड़ स्थित रसगुल्ला फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कार्यवाही कर 810 किलोग्राम रसगुल्ला मिलावट के संदेह पर सीज किया एवं लगभग 100 किलोग्राम मिलावटी मिल्क केक नष्ट कराया गया। जांच दल द्वारा मैसर्स किशन गोपाल रसगुल्ला फैक्ट्री का निरिक्षण किया गया, यहाँ पर दो कार्टून में लगभग 100 किलोग्राम मिल्क केक रखा हुआ था। विक्रेता रोहिताष्व कुमार ने बताया कि उक्त मिल्क केक 140 रूपये प्रति किलोग्राम के भाव से मंगवाया है। मिल्क केक का मतलब होता है दुध व चीनी से बनाया हुआ खाद्य पदार्थ। जिसकी एक किलोग्राम निर्माण की वास्तविक लागत लगभग 300-350 रूपये प्रति किलोग्राम है। यह मिल्क केक सूजी, ग्लूकोज, रिफाइंड सोयाबीन तेल एव चीनी से मिलकर बनाया गया था। यहाँ रसगुल्ला निर्माण ईकाई पर 45 टिन रसगुल्ले भी रखे हुये थे, जिसे विक्रेता द्वारा 70 रूपये प्रति किलो के भाव से खरीद होना बताया।

इन दोनां खाद्य पदार्थो में मिलावट का शक होने एवं मिल्क का दुषित होने पर नमूना लेकर शेष बचे मिल्क केक को मौके पर नष्ट करा दिया गया। इसी प्रकार रसगुल्ले का एक सैंपल खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लेकर बचे 45 टिन (कुल 810 किलोग्राम) रसगुल्ला को रिर्पोट आने तक परिसर में सीज किया गया है। जांच हेतु लिये गये रसगुल्ला व मिल्क केक के नमूनों को प्रयोगशाला भिजवा दिया गया है। जांच रिर्पोट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। आमजन से अनुरोध है क्षेत्र में अगर इस तरह की मिलावट हो रही है तो विभाग को सूचित करे। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकांत शर्मा मय टीम मौजूद रहे।

यादव समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में सैकड़ों जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। फुलेरा दोयज पर अबूझ मुहूर्त में जगह जगह विभिन्न समाजों द्वारा सामुहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया गया। श्री कृष्ण (अहीर) यादव समाज प्रबंधन समिति डिग्गी मालपुरा जिला टोंक द्वारा डिग्गी यादव धर्मशाला के विशाल प्रांगण में चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ रामकरण यादव ने बताया कि समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति में विवाह समिति अध्यक्ष राजेश यादव व समाज के वरिष्ठ प्रबुद्धजनों के सानिध्य में 48 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे तो दूसरी ओर अजमेर रोड रामचन्द्रपुरा जयपुर में श्री कृष्ण यादव समाज उत्थान समिति अध्यक्ष सरदार सिंह यादव लालचंद यादव के नेतृत्व में 45 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समस्त यादव समाज के अपार सहयोग के साथ साथ डिग्गी में भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी भवानीपुरा निवासी हीरालाल भंगार श्योनारायरण भंगार की तरफ से हुई तो जयपुर में पूर्व प्रधान व कार्यकारी समाज प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव द्वारा भोजन व्यवस्था की गई। इस मौके पर 93 दूल्हों की बैंड बाजे के साथ सामुहिक निकासी निकाली गई और आयोजन स्थल पर बारात की अगुवाई की गई। प्रमुख प्रबुद्धजनों व अतिथियों द्वारा ऐसे समारोहों को परंपरा प्रगति और सामाजिक सुधार का संगम बताया। विशिष्ट अतिथि प्रवक्ता डॉ रामकरण यादव ने कहा कि सामुहिक विवाह सम्मेलन आज सामाजिक समरसता और सहयोग की मिसाल बन चुके हैं।

एनएसएस विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के 05वें दिवस गुरूवार को मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना गीत का गायन किया गया। स्वयंसेवक जसवंत बृजेश ने पाँचवें दिवस की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से व्यक्तित्व विकास एवं सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को देश सेवा व आपातकालीन परिस्थितियों में सहयोग के लिये हमेशा तत्पर रहना चाहिये। बौद्धिक सत्र में देश भक्ति एवं साहस से प्रेरित कवितायें प्रस्तुत की गई। प्रो. मुकेश अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को सफलता के लिये संघर्ष एवं निरंतर प्रयासरत रहने की सीख दी। उन्होंने ओजपूर्ण कविता टूटने ना देना हौंसलों को प्रस्तुत की। प्रो. सज्जन सिंह ने भी मैं मुस्करा दूँगी कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शीशराम मीणा ने आपातकाल के समय की कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिये कविता प्रस्तुत की। संचालन स्वयंसेविका सरिता रावत ने किया। स्वयंसेवक सोहन लाल प्रजापत ने तकनीकी सहयोग किया। स्वयंसेविका पूजा यादव ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य, प्रो. शुभलता यादव, प्रो. शीशराम मीणा, प्रो. चंदन सिंघल व अन्य संकाय सदस्य एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय सेमीनार का आयोजन

उच्च उद्यानिकी तकनीकी आवश्यकता, महत्व एवं प्रबंधन विषय पर विशेषज्ञों ने किसानों को दी जानकारी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। कृषि विभाग द्वारा 17 व 18 फरवरी को दो दिवसीय जिला स्तरीय उच्च उद्यानिकी तकनीकी आवश्यकता, महत्व एवं प्रबंधन सेमिनार का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र गुंता पर आयोजित किया गया। उप निदेशक कृषि लीलाराम जाट व कृषि विज्ञान केन्द्र के इंचार्ज डॉ. सुशील कुमार शर्मा एवं आईएचआईटीसी दुर्गापुरा जयपुर के चीफ ट्रैनर सत्यनारायण चैधरी द्वारा सेमीनार का शुभारंभ किया गया। सेमीनार में प्रथम दिवस चीफ ट्रैनर ने अपने व्याख्यान में उच्च उद्यानिकी तकनीकी की आवश्यकता, महत्व एवं प्रबंधन पर जानकारी व उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत देय अनुदान योजनाओं पर सविस्तार जानकारी साझा करते हुये समय रहते इन्हें अपनाने का आह्वान किया। प्रशिक्षणार्थियों से फार्म प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन बनाने एवं नामांकन करवाकर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। चीफ ट्रैनर ने संरक्षित खेती को अपनाने पर जोर दिया एवं प्रशिक्षणार्थियों से निवेदन किया कि अपनी-अपनी वित्तीय क्षमता के अनुसार आप पॉली हाउस, शेडनेट हाउस, लो टनल, फार्म पौंड, सौर ऊर्जा संयंत्र, वमऱ कम्पोस्ट युनिट लगवाने, प्याज भण्डारण संरचना बनवाने, खुली खेती में लूज फ्लावर, कट फ्लावर, विदेशी सब्जियों की उन्नत खेती, मशरूम उत्पादन यूनिट स्थापित करवाने एवं उक्त सभी से प्राप्त उत्पादों के श्रेणिकरण व पैकिंग हेतु पैक हाउस सुविधा का लाभ लेने एवं इस प्रकार तैयार उत्पाद को सुरक्षित मण्डी पहुंचाने के लिये विभाग द्वारा रिफर वैन पर दिये जा रहे अनुदान का लाभ लेते हुये स्मार्ट फार्मर की तरह कार्य करते हुये अपने फार्म हाउस को स्मार्ट फार्म में रूपांतरित करते हुये नवाचारी कृषक बनने की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उक्त सभी योजनाओं का लाभ लेकर आगे बढ़ते हुये राज्य सरकार के नवाचारी कृषकों को विदेश भेजने वाली स्कीम का लाभ लेने पर भरपूर जोर दिया और कहा कि ऐसा करके हम भी अपने राज्य एवं तत्पश्चात राष्ट्र को विकसित देशों की श्रेणी में ला सकने में कामयाब हो पायेंगे।

डॉ. रघुनाथ प्रसाद यादव ने सुक्ष्म सिंचाई की प्रणालियों के सिद्धांत एवं सिंचाई व्यवस्थापन पर सविस्तार जानकारी देते हुए उच्च उद्यानिकी तकनीकी वाली फसलों विशेषकर सब्जियों में उर्वरकीकरण (फटज़ेशन) का महत्व एवं कार्य प्रणाली पर पॉवर पाईंट प्रजेंटेशन दिया। उप निदेशक ने विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने एवं नित नये नवाचार खेती में करने का आह्वान किया गया।

बागवानी की चुनौतियां एवं संभावनाओं पर सविस्तार जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र इंचार्ज डॉ. सुशील कुमार शर्मा द्वारा अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन लेने के लिए स्वस्थ मृदा में सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाते हुए स्वस्थ उत्पादन की बात कही। अंधाधुंध कीटनाशकों एवं फफूंद नाशकों के प्रयोग के साथ ही रासायनिक उर्वरकों के बेवजह इस्तेमाल पर रोक लगाने का आह्वान किया एवं उद्यानिकी में जैविक खेती की आवश्यकता, महत्व एवं संभावना पर सविस्तार जानकारी दी।

बानसूर में बिजली विभाग ने उतारे 8 ट्रांसफार्मर

बकाया बिल का भुगतान न करने पर हुई कार्यवाही

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। बानसूर क्षेत्र में बिजली विभाग ने बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए सख्त कार्यवाही की है। विभाग की टीम ने बबेड़ी, माची, रामनगर और ढाकला सहित कई गांवों में राजस्व वसूली अभियान चलाया। इस दौरान बकाया राशि का भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं के कुल 8 ट्रांसफार्मर हटा दिए गए, जिनमें सिंगल फेस और थ्री फेस दोनों शामिल थे। रामनगर के सहायक अभियंता (एईएन) अजीत कुमार ने बताया कि ये अभियान बहरोड़ की टीम के साथ मिलकर चलाया गया।

संबंधित उपभोक्ताओं पर लाखों रुपए का बिजली बिल बकाया था। विभाग ने पहले भी नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए थे। अजीत कुमार ने बताया कि निर्धारित समय सीमा में भुगतान न होने पर ये कार्यवाही की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली अभियान आगे भी जारी रहेगा। जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया हैं, उन्हें समय रहते भुगतान करने की सलाह दी गई है, अन्यथा उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

नकदी, चांदी के सिक्के ले गए चोर 18 लाख रुपए के चेक क्लियर किए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। बहरोड़ क्षेत्र के गण्डाला गांव में एक इंजीनियर के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। अज्ञात चोरों ने मकान से नगदी, चांदी के सिक्के और महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। इस चोरी की वारदात में 18 लाख रुपए के दो चेक भी क्लियर हो चुके हैं, जिससे इंजीनियर को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है।

तीन कमरों के ताले टूटे थे-चोरी की घटना का खुलासा गुरुवार को तब हुआ जब इराक में कार्यरत इंजीनियर अनिल कुमार यादव पुत्र रामवतार यादव को सूचना मिलने पर वे अपने घर पहुंचे। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मकान के तीन कमरों के ताले टूटे हुए थे और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने तुरंत नीमराना थाना पुलिस को सूचना दी।

जयपुर में रहता है परिवार-अनिल यादव पिछले लगभग आठ वर्षों से इराक में कार्यरत हैं और उनका परिवार जयपुर में रहता है। गांव स्थित उनका मकान लंबे समय से सूना पड़ा था। मकान की साफ-सफाई के लिए एक स्वीपर रखा गया था, उसी के माध्यम से चोरी की घटना की जानकारी अनिल यादव तक पहुंची।

पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चाकसू। गुरू गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के अन्तर्गत शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारी निधि मीणा की अध्यक्षता में उपखण्ड स्तरीय क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में योजना से संबंधित विभागों एवं ब्लॉक के ग्राम विकास अधिकारियों ने भाग लिया गया। उपस्थित अधिकारियों को यूनाइटेड फंड की राशि का नियमानुसार, वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ती से पूर्व अनुमत कार्यों के लिए उपयोग में लेने के निर्देश दिए गए। साथ ही अनुमत कार्यों की जांच एवं समीक्षा 10 दिवस में करने के निर्देश भी दिए। उक्त राशि का उपयोग ब्लॉक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पोषण तथा शिक्षा से जुडी आधारभूत सूचनाओं के सुदृढीकरण पर किया जाएगा।

नारेहड़ा से खादूश्याम बाबा की 30वीं पदयात्रा रवाना होगी आज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। कस्बे से 30वीं खाटूश्याम बाबा की पदयात्रा शनिवार को श्रीश्याम मंदिर से रवाना होगी। मंडल अध्यक्ष सोनू सिंह, कोषाध्यक्ष राहुल जोशी ने बताया कि पदयात्रा का प्रथम रात्रि पड़ाव झिर की चैकी बालाजी मंदिर में रहेगा। इसके बाद 22 फरवरी को कांवट, 23 फरवरी को रिंगस तथा 24 फरवरी को खाटू श्यामजी में निशान चढ़ाए जाएंगे।

25 हजार का ईनामी फायरिंग आरोपी गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। जयपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस राघवेंद्र सुहास (आईपीएस) एवं पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ देवेंद्र कुमार बिश्नोई के निर्देशन में जिला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

ग्राम घासीनगर स्थित दूध डेयरी पर फायरिंग मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के ईनामी आरोपी भूपसिंह उर्फ भूपेन्द्र 26 वर्ष पुत्र फत्तुसिंह राजपूत निवासी इन्द्राड़ा, थाना बासदयाल जिला कोटपुतली-बहरोड़ को गिरफ्तार कर उसके पास से एक हीरो स्प्लेंडर प्लस बाईक व घटना में प्रयुक्त एक देशी कट्टा (.315 बोर) जप्त किया।

17 अक्टूबर 2025 को आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर ग्राम घासीनगर में एक दूध डेयरी पर फायरिंग की थी। घटना के बाद से ही मुख्य आरोपी भूपसिंह उर्फ भुपेन्द्र फरार चल रहा था। प्रकरण संख्या 312/2025 में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस मामले में अन्य तीन आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन आज

चाकसू। निर्वाचन विभाग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत तैयार की गई मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन शनिवार को किया जाएगा। इस संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) चाकसू निधि मीणा की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। पंचायत समिति चाकसू के सभा भवन में शनिवार सुबह संपन्न होगी। बैठक में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन, प्राप्त आपत्तियों एवं दावों के निस्तारण, संशोधित नामावली की उपलब्धता तथा आगामी निर्वाचन संबंधी तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही राजनैतिक दलों से मतदाता सूची के संबंध में सुझाव एवं अभिमत भी आमंत्रित किए जाएंगे। जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाया जा सके।

बहरोड़ : 200 साल पुरानी हवेली का छज्जा गिरा

पास के मकान की छत में हुआ छेद, क्षेत्र में लगातार हो रहे हादसे, प्रशासन पर लापरवाही के आरोप

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। बहरोड़ शहर में जर्जर भवनों से एक और हादसा होते-होते बचा। शुक्रवार सुबह पुरोहित परिवार की लगभग 200 साल पुरानी हवेली का छज्जा अचानक गिर गया। छज्जा गिरने से पड़ोसी भूपसिंह सैनी के कमरे की छत टूट गई और उसमें एक बड़ा छेद हो गया। कमरे में बंधा एक पशु घायल हो गया। घटना के समय कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राजेश पुरोहित ने बताया कि हादसे से कुछ देर पहले ही एक महिला कमरे की सफाई कर बाहर निकली थी। यह घटना उसके निकलने के तुरंत बाद हुई। जिस स्थान पर यह हवेली स्थित है, वहां दिन-रात लोगों की आवाजाही रहती है। राकेश पुरोहित ने बताया कि यह हवेली रतनलाल पुरोहित की है, जिनका परिवार अभी में जयपुर में रहता है। स्थानीय लोग इस ऐतिहासिक भवन को 7 चैक की हवेली के नाम से जानते हैं। लंबे समय से मरम्मत न होने के कारण यह पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और इसकी छत पर बनी दीवारें कभी भी गिर सकती हैं।कुछ दिन पहले ही हुआ था हादसा, प्रशासन अलर्ट नहीं-उल्लेखनीय है कि 4 फरवरी को खटीकों के मोहल्ले में भी एक छज्जा गिरने से लैब टेक्नीशियन रतनलाल प्रजापत की मृत्यु हो गई थी, और उनके दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उस घटना के बाद, नगर परिषद बहरोड़ ने जर्जर मकानों का सर्वे कर मालिकों को नोटिस जारी किए थे,

जिसमें 7 दिन के भीतर कार्यवाही करने के निर्देश थे। हालांकि, 15 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जर्जर भवनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नगर परिषद कमिश्नर नूर मोहम्मद ने बताया कि पुराने भवनों को गिराने के लिए पुलिस बल और मौका मजिस्ट्रेट की मांग करते हुए पत्र भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सहयोग न मिलने के कारण कार्यवाही प्रभावित हो रही है।

कोटपूतली में 220 केवी जीएसएस पर होगा मेंटेनेंस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कोटपूतली। कोटपूतली में शनिवार को दो घंटे की विद्युत कटौती की जाएगी। सहायक अभियंता विजेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कटौती सुबह 9 बजे से 11 बजे तक होगी।

जीएसएस पर मेंटेनेंस और मरम्मत का काम होगा-उन्होंने बताया कि 220 केवी जीएसएस कोटपूतली पर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव कार्य किया जाएगा। इसी कारण 33 केवी पानेसिया और पाथरेडी फीडर की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

दो घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित-इसके परिणामस्वरूप, 33 केवी जीएसएस गोरधनपुरा चैकी, राजनोता, पाथरेडी और प्रागपुरा से जुड़े सभी 11 केवी फीडरों की बिजली आपूर्ति भी दो घंटे के लिए बंद रहेगी।

5 हजार का ईनामी तस्कर गिरफ्तार

कोटपूतली।जिला पुलिस कोटपूतली-बहरोड को एनडीपीएस एक्ट के एक प्रकरण में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस थाना बहरोड़ ने करीब 1 वर्ष 6 माह से फरार चल रहे 5 हजार रुपये के ईनामी आरोपी रवि कुमार यादव उर्फ टिल्लू 32 वर्ष पुत्र उमराव सिंह निवासी ढोला की ढाणी, तन गूंती, थाना बहरोड़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ द्वारा आरोपी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न राज्यों में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज बताए गए हैं।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई द्वारा गंभीर अपराधों एवं अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराणा सुरेश कुमार खींची के निर्देशन तथा पुलिस उप अधीक्षक, वृत बहरोड़ सचिन शर्मा के सुपरविजन में थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में एएसआई दलीप कुमार कांस्टेबल रजंत सिंह, संदीप कुमार की विशेष टीम गठित कर कार्यवाही की गई।

महिला आत्मरक्षा पुलिस प्रशिक्षण दल ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के सिखाए गुर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ धौलपुर हवा सिंह के सुपरविजन में जिलेभर में महिलाओं और बालिकाओं के साथ छेड़छाड़, छींटाकशी आदि की घटनाओं को रोकने एवं जागरुकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिलेभर में शहर सहित उपखंड मुख्यालयों पर राह चलती महिलाओं, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं व बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़, छींटाकशी आदि घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस बदमाशों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करती है। जिला मुख्यालय व उपखंड मुख्यालय सहित बड़े कस्बों के स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थान, कोचिंग सेंटर, गर्ल्स हॉस्टल व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पुलिसकर्मियों की निगरानी करवाई जा रही है। वहीं ट्रेन, बस, जीप, ऑटो आदि परिवहन के

धौलपुर..कार्यक्रम में बालिकाओं को प्रशिक्षण देती हुई

साधनों में सादा वर्दीधारी पुलिसकर्मियों को तैनात किए जाकर सतत् निगरानी रखी जा रही है। स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग सेंटर पर कालिका यूनिट, मानव तस्करी विरोधी यूनिट व थाना पुलिस ने महिला गरिमा हेल्प लाइन 1090, चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 एवं संबंधित जिलों के वाट्सएप हेल्प लाइन नंबरों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण टीम जिले के विभिन्न स्कूलों, कालेज, कोचिंग सेंटर एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर बच्चियों और महिलाओं को संकट के समय आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए रही है। विगत दिनों बसेड़ी थाना अन्तर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बौरेली में महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण टीम धौलपुर द्वारा स्कूली छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए, साथ ही महिलाओं और बच्चियों के लिए नये कानूनों के प्रावधानों, महिला हेल्प लाइन नंबर आदि की भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं व बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों के सम्बन्ध में भी जागरुक किया गया, छात्राओं को महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी कानूनों की जानकारी दी गई है। महिला हेल्पलाइन 1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का प्रचार-प्रसार भी किया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर विद्यार्थी तत्काल पुलिस की मदद ले सकें। इस दौरान महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण दल की महिला हैंड कानि मुन्नी देवी, कानि. शबाना, कानि. ओमवती, कानि. ओमवती व विधालय के प्रधानाचार्य रामकिशन मीणा सहित अन्य अध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

रोटरी क्लब ने आरएमएस धौलपुर के कैडेट अभ्यांशु कुमार को फाइनेंशियल मदद दी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान - रोटरी क्लब धौलपुर ने एक अच्छी बात करते हुए क्लास के कैडेट अभ्यांशु कुमार के पढ़ाई के खर्च में मदद की, जो लंबी बीमारी और अपने पिता की मौत की वजह से स्कूल की फीस नहीं दे पा रहे थे। उनके परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य, जो स्कूल फीस नहीं दे पा रहे थे। बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले कैडेट अभ्यांशु कुमार एक होनहार स्टूडेंट रहे हैं, जिन्होंने दसवीं क्लास की बोर्ड परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया है। कैडेट ने बॉक्सिंग और अलग-अलग को-करिकुलर एक्टिविटीज़ में बहुत अच्छा किया है।रोटरी क्लब के प्रेसिडेंट गौरव गर्ग ने क्लब के जाने-माने सदस्यों और स्कूल फैकल्टी की मौजूदगी में स्कॉलरशिप दी। इस मौके पर इंस्टीट्यूशन के जाने-माने पुराने स्टूडेंट और रोटरी क्लब के सदस्य डॉ. निखिल अग्रवाल भी मौजूद थे। इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करते हुए, मिस्टर गौरव गर्ग ने हौसला बढ़ाने वाली बातें कहीं, कैडेट की लगन की तारीफ़ की और स्टूडेंट्स से लगन और ईमानदारी के साथ बेहतरीन काम करने की अपील की। तारीफ़ और याद के तौर पर, लेफ्टिनेंट कर्नल अमित शर्मा, वीएसएम ने मिस्टर गौरव गर्ग को रोटरी क्लब के बड़े योगदान और कम्युनिटी सर्विस के लिए लगातार कमिटमेंट के लिए एक यादगार तोहफ़ा दिया। यह सेरेमनी युवा टैलेंट को आगे बढ़ाने और भविष्य के लीडर्स को मज़बूत बनाने में एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और कम्युनिटी ऑर्गनाइज़ेशन के बीच मिलकर काम करने की भावना का सबूत है।

पांच साल से फरार 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। पुलिस ने अपहरण और पॉक्सो एक्ट के एक गंभीर मामले में पिछले पांच साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के 'ऑपरेशन शिकंजा' अभियान के तहत की गई। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर महिला थाना धौलपुर के थानाधिकारी निरीक्षक सहीराम यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी।

इस टीम ने तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए आरोपी को धर दबोचा। महिला थाना धौलपुर में 25 जून 2021 को एक नाबालिग बालिका के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर पॉक्सो एक्ट के तहत जांच शुरू की गई थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी पहचान और ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीमों ने उसे पकड़ने के लिए सहारनपुर, दिल्ली और आगरा सहित कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन वह हाथ नहीं आया। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने तकनीकी साधनों और साइबर सेल की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया। 20 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने उसे ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में निरीक्षक सहीराम यादव, सहायक उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कॉन्स्टेबल कपिल शर्मा, कांस्टेबल राहुल, नरेंद्र, अमित शर्मा और कुलदीप सिंह शामिल थे।

परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने पर दिया जोर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिले में संचालित राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम की प्रगति व उपलब्धियों की समीक्षा हेतु शुक्रवार को सभी खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गौरव मीणा की अध्यक्षता में किया गया ।

बैठक में परिवार नियोजन हेतु संचालित विभिन्न परिवार कल्याण योजनाओं, कार्यक्रमों एवं उपलब्ध करवायी जा रही विभिन्न गर्भनिरोधक सेवाओं की जिलावार प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान में उपस्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक उपलब्ध करवायी जा रही विभिन्न परिवार नियोजन साधनों यथा तीन महीने के अंतराल पर अंतरा इंजेक्शन, पीपीआईयूसीडी, छाया व अन्य ओरल पिल्स सहित स्थायी साधन महिला व पुरुष नसबंदी की प्रगति एवं उपलब्धियों की समीक्षा की गयी।

डॉ. मीणा ने कहा कि नव दम्पत्तियों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें परिवार नियोजन की नई पहल किट तथा परामर्श सेवाएं उपलब्ध करवायी जाये। परिवार कल्याण कार्यक्रम में कार्यरत स्वास्थ्यकार्मिकों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण यथासमय पूरे किये जायें और आउटरीच कैंप आयोजित कर परिवार नियोजन की निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार नसबंदी व अन्य सेवाएँ सुनिश्चित की जायें। उन्होंने अंतरा इंजेक्शन की पहली डोज के बाद अन्य सतत डोज आवश्यक रूप से लाभार्थी महिला के लगवाने के लिए फॉलोअप करने हेतु गंभीरता बरतने के निर्देश दिये।

डॉ. मीणा ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम का सीधा संबंध मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से है।

यदि पात्र दम्पत्तियों को समय पर सही परामर्श एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तो मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों पर आने वाले लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण काउंसलिंग देने, सेवाओं की गोपनीयता बनाए रखने तथा सभी साधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी खण्ड समय पर डाटा की ऑनलाइन प्रविष्टि करें तथा रिपोर्टिंग में पारदर्शिता बनाए रखें। फील्ड स्तर पर आशा, एएनएम एवं अन्य कार्मिकों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समुदाय में जागरूकता गतिविधियों को और सशक्त बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र दम्पत्ति परिवार नियोजन साधनों को

नागरिक सुरक्षा के 360 स्वयंसेवकों का 7 दिवसीय प्रशिक्षण 23 फरवरी से

धौलपुर, 20 फरवरी। जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने बताया कि निदेशालय, नागरिक सुरक्षा राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार नागरिक सुरक्षा इकाई धौलपुर के 360 सदस्यों हेतु 7 दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण 23 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:15 बजे तक टाउन हॉल नगर परिषद् धौलपुर में आयोजित होगा। प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन, राहत एवं बचाव कार्यों सहित विभिन्न व्यावहारिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

राजनीतिकदलों के साथ बैठक आज

धौलपुर, 20 फरवरी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन के संबंध में बैठक का आयोजन जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बीटी की अध्यक्षता में प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट धौलपुर किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय एवं राज्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी।

खाटू-श्याम मेले में 5000 से अधिक पुलिस अधिकारी-जवान रहेंगे तैनात, 44 एलईडी स्क्रीन और क्यूआर कोड सुविधा रहेगी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित विश्वविख्यात खाटू श्याम जी मंदिर में 21 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाला फाल्गुनी मेला इस वर्ष आस्था, अनुशासन और आधुनिक प्रबंधन का अद्भुत उदाहरण बनने जा रहा है। मेले में करीब 35 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए राजस्थान पुलिस, जिला प्रशासन और मंदिर कमेटी ने मिलकर सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण की व्यापक तैयारियां की हैं।पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष तकनीकी नवाचार और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली पर विशेष जोर दिया गया है।

रिंगस से खाटू तक विशेष पैदल कॉरिडोर

पदयात्रियों की परंपरा को ध्यान में रखते हुए रिंगस से खाटू तक 17 किलोमीटर लंबा विशेष पैदल कॉरिडोर तैयार किया गया है। यह मार्ग पूरी तरह वाहनों से मुक्त रहेगा। पूरे रास्ते में पेयजल, प्रकाश, शौचालय और विश्राम स्थल की व्यवस्था रहेगी तथा पुलिस की सतत निगरानी रहेगी।

22 सेक्टर और 350 सब-सेक्टर में सुरक्षा कवच

मेले को 22 मुख्य सेक्टर और 350 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है। करीब 5 हजार से अधिक पुलिस अधिकारी व जवान तैनात रहेंगे। प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग, अस्थायी चौकियां और अतिरिक्त बल की व्यवस्था की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से कंट्रोल रूम के माध्यम से रीयल-टाइम निगरानी होगी।

बुज़ुर्ग की विषाक्त पदार्थ के सेवन से मौत

धौलपुर। जिले के बाड़ी सदर थाना क्षेत्र के सुनीपुर गांव में एक बुजुर्ग की विषाक्त पदार्थ के सेवन से इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रामबाबू मीणा (65) को विषाक्त पदार्थ के सेवन के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर बाड़ी सदर थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। बाद में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव उन्हें सौंप दिया गया। पुलिस ने इस संबंध में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग ने विषाक्त पदार्थ का सेवन किन हालातों में किया इसके साथ पुलिस विभिन्न पहलुओं से इसकी पड़ताल कर रही है।

राज सखी सरस मेला आज से शुरू

धौलपुर।जिला प्रशासन धौलपुर एवं राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) के संयुक्त तत्वावधान में 'राज सखी सरस मेला 2026' का आयोजन 21 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक इंदिरा गांधी स्टेडियम, बड़ी फील्ड, धौलपुर में किया जा रहा है।

इस सात दिवसीय मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पादों को उचित मूल्य पर विपणन का अवसर प्रदान करना है। मेले में राजीविका की राज सखी योजना के अंतर्गत जुड़ी महिलाओं के द्वारा निर्मित विविध उत्पाद जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प, सिलाई-कढ़ाई युक्त वस्त्र, घरेलू सज्जा सामग्री, प्राकृतिक उत्पाद, हस्तनिर्मित आभूषण, खाद्य पदार्थ (पापड़, मसाले, अचार आदि) एवं अन्य लोक कला से जुड़े आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉल लगाए जाएंगे।यह मेला न केवल महिलाओं की उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और हुनर को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय एवं पर्यटक खरीदारों को गुणवत्तापूर्ण, स्वदेशी एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पाद खरीदने का अवसर भी देगा। मेले में प्रतिदिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य, संगीत संध्या एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी, जो दर्शकों को आकर्षित करेंगी।

धौलपुर वासी एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों, पर्यटकों, खरीदारों एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे इस मेले में पधारकर राजीविका की महिलाओं के मेहनत से बने हस्तनिर्मित उत्पादों को खरीदकर उनका उत्साहवर्धन करें तथा आत्मनिर्भर भारत एवं वोकल फॉर लोकल की भावना को मजबूत बनाएं।

घरेलू गैस की कालाबाजारी का आरोपी पकड़ा, 13 महीने से था फरार,

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। घरेलू गैस की कालाबाजारी,अवैध रूप से भंडारण करने और अतिरिक्त शुल्क वसूलने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 13 महीने से फरार चल रहे एक आरोपी को उसी के घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आये आरोपी से अब कोतवाली थाना पुलिस थाने पर दर्ज मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।कोतवाली थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर वांछित अपराधियों को लेकर ऑपरेशन शिकंजा अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत थाने पर दर्ज मामलों में वांछित चल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र का भी सहयोग लिया जा रहा है। ऐसे में कोतवाली थाने पर 1 जनवरी 2025 को जिला रसद अधिकारी के माध्यम से ईआई समीक्षा दिनकर पुत्री धर्मेंद्र दिनकर ने एक मामला दर्ज कराया था। जिसमें घरेलू वस्तु अधिनियम के तहत धारा 3/7 ईसी एक्ट में मामला दर्ज किया गया। उक्त मामले में टीम ने कार्रवाई करते हुए शहर की घुंघस कॉलोनी में आरोपी बच्चन सिंह कुंतल पुत्र विजेंद्र सिंह के घर से घरेलू गैस के 77 सिलेंडर जप्त किए थे साथ में 15 ग्राहकों के गैस कनेक्शन की पासबुक भी जप्त की थी। थाने पर दर्ज उक्त मामले का आरोपी बच्चन सिंह कुंतल 13 महीने से फरार चल रहा था।

मयूरी विशेष विद्यालय में जिला स्तरीय पैरा खेलो का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। मयूरी विशेष विद्यालय में दिव्यांगजन की सामाजिक सहभागिता को बढायें जाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पैरा खेलो का आयोजन करवाया गया। श्रीमान अशोक कुमार जिला खेल अधिकारी के द्वारा माँ सरस्वती के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम आरम्भ किया गया।विद्यालय संचालिका मधुगर्ग के द्वारा अशोक कुमार जिला खेल अधिकारी को माल्यापर्ण कर स्वागत किया गया संदीप राना, अमृतलाल फुटबॉल कोच, योगेश हॉकी कोच तथा रामेश्वर दयाल, इरशाद को मयूरी विशेष विद्यालय स्टाफ के द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया।उपस्थित अधिकारी व विद्यालय स्टाफ के द्वारा विभिन्न खेलो का आयोजन करवाया कैरम, लम्बीकूद, 100 मीटर दौड, बैडमिनटन, कबडडी, शॉट फूट कई खेल खिलायें गये जिसमें भामाशाह मधु गर्ग तथा खेल अधिकारी अशोक कुमार जी के द्वारा प्राची को कैरम में प्रथम, निशान्त लम्बीकूद प्रथम, देव 100 मीटर प्रथम, वैष्णवी, अशोक बैडमिनटन प्रथम, निशांत शॉट फुट/गोला फेंक, कल्पना, आर्यन, छवि, गुजंन, कबडडी प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रशंसा पत्र व उपहार प्रदान किये गये।मधु गर्ग के द्वारा बताया गया की 20 फरवरी 2026 (विश्व सामाजिक न्याय दिवस) को दिव्यांग गतिविधि महोत्सव के अवसर पर पैरा खेलो को आयोजन जिला प्रशासन, जिला समाज कल्याण विभाग, एंव जिला खेल अधिकारी कार्यालय के माध्यम से करवाया गया जिससे दिव्यांगजनों की सामाजिक सहभागिता बढायें जा सकेंइस अवसर पर विद्यालय स्टॉफ भूपेन्द्र पाराशर, मुकेश रावत, राकेश सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, पीयूष पारासर, ललित शर्मा, प्रीती शर्मा, योगेश, भगवानदास, कामिनी बघेल, आदि विद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहें।

बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के मद्देनज़र ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध

धौलपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं, नीट परीक्षा 2026 सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के जिले में आयोजन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर) के उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीनिधि बी.टी. द्वारा राजस्थान कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1963 की धारा-5 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार जिले के समस्त नगरों, कस्बों एवं ग्रामों में किसी भी प्रकार के आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग बिना स्थानीय कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस की पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने आदेश जारी किया है कि परीक्षाओं के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों से उत्पन्न कोलाहल के कारण परीक्षार्थियों के अध्ययन एवं परीक्षा प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः विद्यार्थियों के हित एवं सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध आवश्यक समझा गया है।

निर्देशों की अवहेलना की स्थिति में संबंधित ध्वनि विस्तारक यंत्र, उपकरण एवं वाहनों को स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा जब्त किया जाएगा तथा उपयोगकर्ता के विरुद्ध राजस्थान कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि परीक्षा अवधि के दौरान शांति बनाए रखने में सहयोग करें, ताकि विद्यार्थी निर्बाध वातावरण में अपनी परीक्षाएं दे सकें।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक **चन्द्रप्रकाश शिवहरे** के लिए मै. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं साई स्मार्ट सिटी,नगर परिषद ऑफिस के निकट,मचकुण्ड रोड,धौलपुर(राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/27740 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक जितेन्द्र सिंह रजौरिया।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र धौलपुर न्यायालय होगा। फोन: 05642-224444, 224666, 224777 फैक्स: 223324 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय संपादक जिम्मेवार